www.hindmatamirror.com • वर्ष: 13 • अंक: 42 • ठाणे, गुरुवार 8 अक्टूबर, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक ठाणे

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर



पेज 8

ईशान किशन ने तोड़ा विराट कोहली का 10 साल पुराना रेकॉर्ड



किसी एक्टर, डायरेक्टर को डेट करो: सैयामी खेर

@HINDMATAOFFICIAL

पेज 8

सुप्रभात

मैं ही आग हूं, मैं ही कूड़ा-करकट। मेरी आग मेरे कूड़े को जलाकर भस्म कर दे तो, तो मैं अच्छा जीवन पाऊंगा। क्रोध ज्ञानी पुरुषों के हृदय में ही निवास करता है। - **खलील जिब्रान**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (8 अक्टूबर) 6:21 बजे, सूर्योदय (9 अक्टूबर) 6:30 बजे, **तापमान: 37 डिग्री से.** (धूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

राज्य शहरी माओवादी गतिविधियों का केंद्र

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा कानून को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने बड़ा दावा किया है। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि महाराष्ट्र शहरी माओवादी गतिविधियों का केंद्र बन गया है और राज्य में 64 सक्रिय माओवादी फ्रंटल संगठन मौजूद हैं। सरकार के मुताबिक यह संख्या देश में सबसे ज्यादा है। महाराष्ट्र सरकार ने 6 अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में महाराष्ट्र स्पेशल पब्लिक सिक्योरिटी एक्ट का बचाव किया है। सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में 64 सक्रिय फ्रंटल संगठन काम कर रहे हैं। गैरकानूनी और विध्वंसक गतिविधियों से निपटने के लिए विशेष कानूनी ढांचे की जरूरत थी।

वझे ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी खड़ी की थी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे ने खुद का नाम चमकाने और मामले को सुलझाने का दिखावा करके खुद को सुपर कॉप के रूप में पेश करने के लिए 2021 में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर एक एसयूवी गाड़ी खड़ी की थी, जिसमें विस्फोटक सामग्री रखी थी। वाजे ने अपने व्यवसायी मित्र मनसुख हिरेन की हत्या कर दी, जिनके पास वह वाहन था जो अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर खड़ा किया गया था। वझे को लगा कि हिरेन उसकी साजिश का खुलासा कर देंगे।

पंप सील करने पहुंचे अधिकारी की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ हिंगोली

हिंगोली जिले में पेट्रोल पंप सील करने को लेकर हुए विवाद में इंडियन ऑयल के एक अधिकारी की हत्या कर दी गई। चोंडी गांव में कार्रवाई के दौरान पेट्रोल पंप संचालक के परिवार और कंपनी की टीम के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इसी दौरान इंडियन ऑयल के मैनेजर महेश शेलके पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल महेश की मौके पर ही मौत हो गई। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने घटना पर दुख जताते हुए महाराष्ट्र सरकार और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बॉलीवुड पर आयकर विभाग का शिकंजा!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी वित्तीय जांच अब तेजी से आगे बढ़ रही है। इस कड़ी में आयकर विभाग ने बुधवार सुबह फिल्म और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी प्राइम फोकस और उसके चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) से जुड़े ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। विभाग की कार्रवाई फिलहाल जारी है। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई पिछले हफ्ते फिल्मी हस्तियों के यहां हुई छापेमारी में मिले सबूतों के आधार पर की जा रही है। आयकर विभाग की टीम कागजात खंगाल रही है।

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का आंदोलन तेज

ज्ञानेश को करने छू-मंतर अखाड़ा बना जंतर-मंतर

राहुल-प्रियंका को पुलिस ने हिरासत में लिया, दो घंटे बाद छोड़ा

अब 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर सीजेपी करेगी आंदोलन

कांग्रेस और सीजेपी के बीच अराजकता फैलाने की होड़ लगी है : फडणवीस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश भर में विपक्ष और सामाजिक संगठनों ने आंदोलन तेज कर दिया है। जिस तरह चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट के दावों में विरोधाभास प्रतीत हो रहा है, उससे सड़क से लेकर अदालती गलियारे तक यह आंदोलन और तीव्र होने के आसार हैं। फिलहाल सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष रुकने के मूड में नहीं है। मंगलवार दिनभर धरने के बाद बुधवार को भी इंडिया ब्लॉक के सांसद लंच के बहाने दिल्ली में जमा हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई दलों के सांसदों ने सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच किया। इसके बाद राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर धरना देने का ऐलान किया और इसी के साथ सभी विपक्षी सांसद बसों में सवार होकर जंतर-मंतर की ओर रवाना हो गए। हालांकि राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों को पुलिस ने जंतर-मंतर जाने की इजाजत नहीं दी और रास्ता ब्लॉक कर दिया, जिसके बाद राहुल समेत तमाम विपक्षी नेता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। इस बीच प्रियंका गांधी सड़क पर ही लेट गईं और कहा कि मैं यहां से हटने वाली नहीं हूं। वहीं दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में ले लिया और राहुल को जबरदस्ती बस में बिठाया गया।

पुलिस ने दो घंटे हिरासत में रखकर छोड़ा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर जा रहे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के कई विपक्षी सांसदों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 163 लागू होने और प्रदर्शन की अनुमति को लेकर नेताओं को रोका। राहुल गांधी को बाराखंबा थाने ले जाया गया, जबकि अन्य नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम पहुंचाया गया। प्रियंका गांधी ने पुलिस पर बदसलूकी का आरोप लगाया। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र और संविधान की आवाज दबाने की कार्रवाई बताया। बीजेपी ने विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। करीब दो घंटे बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत अन्य नेताओं को रिहा कर दिया गया।

'ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही पड़ेगा'

विपक्षी नेताओं के साथ लंच के बाद राहुल ने फिर दोहराया कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा, कल हम ईसी से मिलना चाहते थे। वो हमसे नहीं मिले। दिल्ली पुलिस ने हमें रोका। उन्होंने पीएम मोदी, अमित शाह और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी हमला बोला और कहा कि उन्होंने लोकतंत्र को खत्म किया। साथ ही राहुल ने सीईसी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा, मेरा लक्ष्य 100 एफआईआर का है, सभी एफआईआर मेरे लिए मेडल हैं।

खरगे ने कहा- हम डरने वाले नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हम डरने वाले नहीं हैं। चुनाव आयोग के खिलाफ हम प्रदर्शन करते रहेंगे। अपनी बात पूरे देश में पहुंचाएंगे। लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है।

पवन खेड़ा बोले- एफआईआर सम्मान का प्रतीक

कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से आयोजित लंच में पहुंचने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, आज लंच के मेन्यू में भोजन है, आंदोलन नहीं। जब खेड़ा से राहुल और प्रियंका के खिलाफ हुई एफआईआर को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम एफआईआर से डरते नहीं हैं, यह सम्मान का प्रतीक है। हम दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगे, चुनाव आयोग सभी के हस्ताक्षर चाहता है, वे बड़े लोग हैं, वे हमारे साथ औपचारिक हो गए हैं। ये सांसद 64 फीसदी लोगों के प्रतिनिधि हैं।



सीजेपी के आंदोलन को राकेश टिकैत का समर्थन



भारतीय किसान यूनियन प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सीजेपी के 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने का फैसला किया है। भारतीय किसान यूनियन के यूपी युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने पोस्ट करते हुए कहा है कि 10 अक्टूबर को सीजेपी के जंतर-मंतर आंदोलन में दलबल के साथ दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पुलिस आंदोलनकारियों से टकराव की कोशिश न करे। किसानों के ट्रैक्टर बैरिकेड तोड़ने के लिए तैयार हैं। ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो।

इस प्रोटेस्ट में आप सभी को आना होगा: अनुज सिंह

अनुज ने वीडियो जारी करते हुए कहा- 10 तारीख को सीजेपी के प्रोटेस्ट में आप सभी को आना होगा, क्योंकि बाबा भीम राव अंबेडकर के संविधान ने जिस एक वोट का अधिकार हर एक भारतीय और हर एक नागरिक को दिया। उस वोट के अधिकार को मोदी सरकार के खास कार्यकर्ता, और भारतीय जनता पार्टी के चहेते कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार ने उन अधिकारों को छीनने का काम किया है।

सीजेपी ने क्या दी प्रतिक्रिया?

वहीं इस पर सीजेपी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के लिए सीजेपी की अपील का समर्थन करने के लिए हम राकेश टिकैत जी और भारतीय किसान यूनियन का धन्यवाद करते हैं।

कांग्रेस और सीजेपी के बीच अराजकता फैलाने की होड़: फडणवीस



महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बीच दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के जरिए अराजकता फैलाने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य संवैधानिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास को कम करना है। फडणवीस ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि अराजकता फैलाने के लिए सीजेपी और कांग्रेस के बीच होड़ लगी हुई है। ऐसा लगता है कि अराजकता से पैदा हुए रिक्त स्थान को भरने के लिए दोनों के बीच एक तरह की प्रतिस्पर्धा चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जारी विरोध प्रदर्शन अब छात्रों के हितों से जुड़े नहीं रहे, बल्कि राजनीतिक हो गए हैं। यह आंदोलन पूरी तरह से राजनीतिक हो गया है। राहुल गांधी और उनके सहयोगी देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हिरासत में लिए गए थे 250 लोग- दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान करीब 250 लोगों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए ज्यादातर नेताओं को कुछ देर बाद ही छोड़ दिया गया, जबकि गांधी और दूसरे सांसदों को करीब दो घंटे हिरासत में रखने के बाद रात 10 बजे के बाद रिहा किया गया।

होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की बढ़ेगी ईएमआई

रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी



• त्योहारों के पहले आम आदमी को जोरदार झटका • तीन साल बाद आखिरकार आरबीआई ने बढ़ाई ब्याज दर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की अर्थव्यवस्था और महंगाई को काबू में रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपनी अक्टूबर नीति समीक्षा में रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की बढ़ोतरी कर दी है। इसके साथ ही नीतिगत दर अब 5.25% से बढ़कर 5.50% हो गई है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि मौजूदा आर्थिक और वित्तीय परिस्थितियों की विस्तृत समीक्षा के बाद एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इसके बाद पॉलिसी रेपो रेट बढ़कर 5.50% हो गया है। रेपो रेट में बढ़ोतरी के साथ ही स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) रेट को 5.25% पर समायोजित किया गया है। वहीं, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) रेट और बैंक रेट बढ़कर 5.75% हो गए हैं।

त्योहारों के पहले बड़ा झटका

रेपो रेट में इस बढ़ोतरी से बैंकों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाएगा। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा, क्योंकि होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें बढ़ने से मासिक किस्तें (ईएमआई) महंगी हो सकती हैं। त्योहारों के पहले इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। इंटरेस्ट रेट बढ़ने का असर लोन के नए और पुराने दोनों ग्राहकों पर पड़ेगा। जो लोन पहले होम लोन ले चुके हैं, उनकी एटकबढ़ जाएगी। कोई ग्राहक नया लोन लेने जा रहा है तो उसे ज्यादा इंटरेस्ट रेट पर लोन मिलेगा।

3 साल बाद फिर बढ़ा रेपो रेट

फरवरी 2023 के बाद यह पहला मौका है जब रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी का रुख अपनाया है। इससे पहले साल 2025 के दौरान महंगाई में राहत को देखते हुए आरबीआई ने कुल 125 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। हालांकि हालिया भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल में आए उछाल के चलते केंद्रीय बैंक को महंगाई पर लगाम कसने के लिए यह सख्त फैसला लेना पड़ा है।

एमपीएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी का मामला गरमाया, हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया

'आंदोलनकारी छात्र असामाजिक तत्व नहीं'

• तीन सप्ताह के अंदर रोडमैप-रिपोर्ट जमा करने का निर्देश • अब मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि एमपीएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ विरोध कर रहे छात्र असामाजिक तत्व नहीं हैं, तथा सरकारी भर्ती परीक्षाओं का निष्पक्ष आयोजन राज्य सरकार का दायित्व है। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि सरकार को यह भरोसा उत्पन्न करना होगा कि जब भी परीक्षाएं होंगी, वे निष्पक्ष, पारदर्शी और किसी भी तरह की गड़बड़ी से मुक्त होंगी। अदालत पुणे के निवासियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और उनसे जुड़े विवादों को लेकर शहर में छात्रों और अन्य लोगों के जारी विरोध-प्रदर्शनों के खिलाफ दायर की गई थी। पीठ ने कहा कि सरकार को लोगों, खासकर छात्रों का ऐसी परीक्षाओं में भरोसा बहाल करने के लिए ईमानदार कोशिश करनी होगी। इसने कहा कि परेशान छात्रों को आंदोलन करने का अधिकार है। अदालत ने कहा कि अगर उन्हें (छात्रों को) मौका नहीं मिलता और उन्हें लगता है कि कोई गड़बड़ी हुई है, तो उन्हें विरोध करने का अधिकार है। क्योंकि उन्होंने पढ़ाई में घंटों लगाए हैं।



छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने कहा कि अधिकारी उचित संयम बरत रहे हैं और उन्होंने किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। प्रदर्शनकारियों की अधिकतर मांगें मान ली गई हैं। उनकी मांगों में से एक एमपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा था। प्रक्रिया के अनुसार राज्यपाल को सिफारिश भेज दी गई है और कार्रवाई का इंतजार है।

छात्रों को अदालत पर भरोसा रखना चाहिए

आंदोलनकारियों के खिलाफ कोई मामला दर्ज न करने के सरकार के कदम की सराहना करते हुए अदालत ने कहा, प्रदर्शनकारी छात्र हैं। वे असामाजिक तत्व नहीं हैं। हालांकि अदालत ने छात्रों से अपनी पढ़ाई-लिखाई पर लौटने को भी कहा क्योंकि अदालत अब इस मामले को देख रही है। उच्च न्यायालय ने कहा- अब यह मामला अदालत के पास है और भरोसा बहाल किया जाना चाहिए। उनकी शिकायतों का समाधान होना चाहिए। परीक्षाएं निष्पक्ष एवं पारदर्शी होनी चाहिए। हम देखेंगे कि राज्य सरकार इस मामले में क्या कदम उठा रही है। उन्हें अदालत पर भरोसा रखना चाहिए।

छात्रों को अपने कॉलेजों में लौटने को कहा

कोर्ट ने छात्रों से अपने परिवारों की मुश्किल स्थिति पर विचार करने और अपने कॉलेजों में लौटने को कहा। मुख्य न्यायाधीश त्रिपाठी ने कहा, ये बच्चे मासूम हैं, लेकिन अब वे सड़कों पर हैं। इससे उनका करियर बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शांति-पसंद शहर और नागरिकों को कोई परेशानी न हो। पीठ ने सरकार को तीन सप्ताह के अंदर एक रोडमैप और रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। उसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की। फिलहाल आंदोलन को लेकर असमंजस बरकरार है।

छात्रों का आंदोलन हाइजैक कर लिया गया: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को आरोप लगाया कि पुणे में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के अभ्यर्थियों का आंदोलन दूसरे लोगों के नियंत्रण में जाने के बाद पूरी तरह राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में तब्दील हो गया है। फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने छात्र प्रतिनिधिमंडलों द्वारा रखी गई सभी मांगें स्वीकार कर ली हैं। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि छात्रों के 15-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पहले राज्य सरकार के समक्ष पांच मांगें रखी थीं और सरकार ने उन सभी को स्वीकार कर लिया था। फडणवीस ने कहा, एमपीएससी की परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों का आंदोलन हाइजैक कर लिया गया है। अब यह पूरी तरह राजनीतिक नेताओं का आंदोलन बन गया है। एमपीएससी से जुड़े मुद्दों के बजाय अब विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर भाषण दिए जा रहे हैं।

बीजेपी ने 'नाइटलाइफ' को लेकर साधा निशाना



हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन ने बुधवार को महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के अभ्यर्थियों के साथ पुणे में प्रदर्शन कर रहे युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवराज मोरे पर अनुचित व्यवहार करने और शराब का सेवन करने के आरोप लगाए। वहीं विपक्षी दल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। बन ने कहा कि शिवराज मोरे तीन और चार अक्टूबर की दरम्यानी रात करीब डेढ़ बजे तक धरना स्थल पर थे और बाद में कोरेगांव पार्क की ओर चले गए, जहां उन्होंने युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं के साथ शराब पी। उसी रात के एक कथित वीडियो का हवाला देते हुए बन ने दावा किया कि मोरे और युवा कांग्रेस के दो अन्य कार्यकर्ता बाद में शराब पीने गए और फिर सड़क पर एक महिला के साथ उनकी बहस हुई। रोहित पवार को जवाब देना चाहिए कि यह किस तरह की 'नाइटलाइफ' है और मोरे तथा उस महिला के बीच क्या संबंध है।

बन ने प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताया

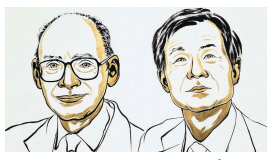
बन ने एमपीएससी अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए आरोप लगाया कि एमपीएससी विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों में से केवल 20 प्रतिशत ही वास्तविक छात्र थे, जबकि शेष 80 प्रतिशत कार्यकर्ता पवार से जुड़े राजनीतिक लोग थे। उन्होंने दावा किया कि उनमें से कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता और कुछ पवार की कंपनी 'बारामती एग्रो' के कर्मचारी थे।

बन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी पार्टी!

कांग्रेस ने बन पर पलटवार करते हुए उन पर एक महिला का चरित्र हनन करने का आरोप लगाया। पार्टी के एक नेता ने कहा कि कथित वीडियो में दिख रही महिला हैदराबाद की रहने वाली है और मोरे के दोस्त की बहन है। जब कोरेगांव पार्क की सड़क पर कुछ लोगों ने लड़की को परेशान करना शुरू किया, तो उसने पुलिस और अपने भाई को फोन किया। लड़की के भाई ने फिर मोरे से बात की और उनसे अपनी बहन की मदद करने को कहा। पार्टी बन के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई करेगी।

फ्रांस के कगन और जापान के केन्सो को केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार

हिंदमाता नेटवर्क @ स्टॉकहोम



वर्ष 2026 के केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने फ्रांस के हेनरी बी. कगन और जापान के केन्सो सोआई को "असिमेट्रिक ऑर्गेनिक सिंथेसिस इन नॉन-लीनियर इफेक्ट्स और ऑटो-कैटालिसिस की खोज" के लिए पुरस्कार दिया। उन्होंने रसायन विज्ञान में 'मिरर इमेज' (दर्पण-प्रतिबिंब) चुनने की प्रक्रिया पर काम किया। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। उन्होंने बताया कि किसी रासायनिक प्रक्रिया में एक-दूसरे की मिरर इमेज जैसे दो अणुओं में से सिर्फ एक ही रूप कैसे बनाया जा सकता है। यह खोज दवाओं समेत कई तरह के रसायन बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

हिंदमाता एंकर: नीति आयोग की रैंकिंग में देश में टॉप पर गडचिरोली, बना महाराष्ट्र का ग्रीन-स्टील हब; सीएम फडणवीस ने दी बधाई

पीएम मोदी के सियासी सफर के 25 साल पूरे, सीएम फडणवीस ने की सराहना

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर उनके 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह सफर समर्पण, विकास और मानव कल्याण के लिए किए गए कार्यों से परिपूर्ण रहा है। फडणवीस ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष के दौरान भारत और उसकी अर्थव्यवस्था नाजुक पांच अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गई। मोदी सात अक्टूबर 2001 से लगातार प्रशासन प्रमुख के पदों पर रहे हैं। वह पहले तीन कार्यकाल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इसके बाद लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बने।



25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

फडणवीस ने कहा, ये 25 वर्ष समर्पण, विकास, मानव कल्याण और भारत को नये क्षितिज की ओर ले जाने के वर्ष रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। आज उन्होंने एक बार फिर हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प दिया है। हमने हम करके रहेंगे का नारा अपनाया है।

नीति आयोग की रैंकिंग में देश में टॉप पर गडचिरोली

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को गडचिरोली के प्रशासन, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निवासियों को बधाई दी। गडचिरोली जिले ने नीति आयोग की अप्रैल-जून 2026 की तिमाही 'डेल्टा रैंकिंग' में देश भर में पहला स्थान हासिल किया है। यह तिमाही आकलन नीति आयोग के प्रमुख कार्यक्रम एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत किया जाता है, जिसमें जिलों की प्रगति को प्रमुख मानव विकास संकेतकों पर मापा जाता है। गडचिरोली ने पूरे देश में टॉप स्थान हासिल किया, जबकि जम्मू-कश्मीर का बारामुला जिला दूसरे स्थान पर रहा। सीएम फडणवीस ने 'एक्स' पोस्ट में इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय जल संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा, महिला शिक्षा और औद्योगिक कौशल विकास सहित कई क्षेत्रों में हुई सफलता को दिया।

ट्रैफिक जाम में ऑटो में प्रसव

अस्पताल से कुछ दूरी पर फंसी गर्भवती

बेटे को दिया जन्म, जाम में फंसी रिक्शा

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था का असर एक गर्भवती महिला पर देखने को मिला। अस्पताल पहुंचने से पहले ही ट्रैफिक जाम में फंसी ऑटो रिक्शा में महिला ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। कैंप क्रमांक-3 के सेक्शन-20 में रहने वाली हरिकला थापा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन ऑटो रिक्शा से शासकीय मध्यवर्ती अस्पताल ले जा रहे थे।

समय पर नहीं पहुंच सका अस्पताल

न्यू एरिया इलाके में भारी ट्रैफिक जाम के कारण ऑटो करीब 15 से 20 मिनट तक फंसा रहा। अस्पताल कुछ ही दूरी पर था, लेकिन जाम के चलते समय पर पहुंचना संभव नहीं हुआ। इसी दौरान हरिकला की ऑटो में ही प्रसूति हो गई और उन्होंने पुत्र को जन्म दिया। इसके बाद उन्हें तत्काल शासकीय मध्यवर्ती अस्पताल पहुंचाया गया।

मां और नवजात सुरक्षित

अस्पताल में मां और नवजात दोनों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। घटना ने शहर की यातायात व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं। लगातार लगने वाले जाम से आम नागरिकों के साथ एम्बुलेंस, ऑटो और अन्य आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं।

व्यवस्था सुधारने की मांग

नागरिकों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए जाम की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है।

नशीली गोलियों की बड़ी खेप जब्त

• एंटी नारकोटिक्स सेल की वरली यूनिट ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की वरली यूनिट ने नशीली दवाओं की खरीद-बिक्री और सप्लाई के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गोवंडी के डॉ. जाकिर हुसैन नगर इलाके में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब 2 करोड़ 53 लाख 12 हजार रुपए मूल्य की नशीली गोलियां बरामद की गईं। पुलिस को नशीले पदार्थों के भंडारण और खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। इसके आधार पर संदिग्ध के घर पर छापा मारा गया।



करोड़ों की गोलियां बरामद

तलाशी के दौरान 1 करोड़ 98 लाख रुपए मूल्य की 2 किलो 475 ग्राम वजन वाली 4500 'एनआईटीसीओआर-10' नाइट्राजेपाम टैबलेट बरामद हुईं। इसके अलावा 55 लाख 12 हजार रुपए मूल्य की 689 ग्राम वजन वाली 5300 'प्रोकाम-1' अल्प्राजोलम टैबलेट भी जब्त की गईं। दोनों प्रकार की गोलियों की कुल कीमत 2 करोड़ 53 लाख 12 हजार रुपए बताई गई है।

एनडीपीएस एक्ट में मामला

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 8(सी) और 22(सी) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं कहां से लाई गई थीं और मुंबई में इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। मामले की जांच जारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

कार्रवाई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, पुलिस सह आयुक्त (अपराध) अनिल कुंभारे और अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) कृष्णकांत उपाध्याय के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस उपायुक्त पौर्णिमा चौगुले-श्रींगी और सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर हिरेकर के नेतृत्व में वरली यूनिट प्रभारी निरीक्षक संतोष साळुंके, निरीक्षक दिगंबर पाटील, उपनिरीक्षक रोहित साळी और टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

केडीएमसी वार्ड 27 में कचरे का अंबार

डिप्टी कमिश्नर ने किया औचक निरीक्षण

कंपनी को 48 घंटे का अल्टीमेटम

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



ठाणे जिले में कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर डॉ. रामदास कोकरे ने अचानक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण वार्ड 27 के तिलकनगर, पथरली, अंबिकानगर और गोगरासवाड़ी इलाकों में पिछले एक हफ़्ते से कचरे की गंभीर समस्या को देखते हुए किया गया। निरीक्षण के दौरान बीजेपी पार्षद महेश पाटिल, पार्षद मंदा पाटिल, शिक्षा समिति के चेयरमैन और पार्षद अभिजीत थरवल, साथ ही बीजेपी कल्याण ज़िला सचिव और वार्ड इंचार्ज एडवोकेट मनोज घरात और अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। वार्ड 27 में कचरा उठाने और साफ-सफाई का ठेका 'सुमित एल्को' कंपनी को दिया गया है। लेकिन स्थानीय लोगों और बीजेपी पार्षदों की शिकायत थी कि कंपनी उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर रही है, जिससे कई जगहों पर कचरे के ढेर जमा हो गए हैं।

डिप्टी कमिश्नर ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

कर्मचारियों के यूनिफॉर्म न पहनने, सही वर्कफोर्स प्लानिंग की कमी और कर्मचारियों को काम के लिए खास इलाके सौंपने के साथ साफ व्यवस्था न होने को लेकर भी शिकायतें की गईं। शिकायत मिलने के बाद केडीएमसी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग के डिप्टी कमिश्नर डॉ. रामदास कोकारे ने वार्ड नंबर 27 में अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने सुबह करीब 9:30 बजे से निरीक्षण शुरू किया और लगभग डेढ़ से दो घंटे तक विभिन्न इलाकों का मौके पर जाकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ठाणे जिले के तिलकनगर, पाथरली, अंबिकानगर और गोगरासवाड़ी क्षेत्रों में कचरा उठाने, सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों की मौजूदगी की जानकारी ली। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डॉ. कोकारे ने मौके पर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी जानकारी लेकर सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

नागरिकों का क्या है कहना?

मौजूद लोगों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर कचरा उठाने और उसे अलग-अलग करने वाले कर्मचारी गायब थे। डॉ. कोकारे ने खुद इस स्थिति की जांच की। इसके बाद सुमित एल्को के संबंधित कर्मचारियों को बुलाया गया और कंपनी के मैनेजर के साथ बातचीत की गई। कंपनी को अपने कामकाज में सुधार करने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया और वार्ड में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए गए।

टीवी देखने को लेकर भाई-बहन में हुआ झगड़ा

बचाव में पिता के हाथ से छूटा बैट... बेटी की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ सातारा



सातारा में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां गोडोली इलाके में टीवी देखने के विवाद में नाबालिग भाई-बहन में झगड़ा हुआ था। बहन बैट लेकर हमला करने लगी, बीच बचाव करने आए पिता ने बैट पकड़ लिया। तभी अचानक बैट बेटी के सिर पर लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं संदेह के आधार पर पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना शनिवार की देर रात करीब 12:30 बजे की है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक देर रात 17 वर्षीय लड़की टीवी देख रही थी। इतने में उसके छोटे भाई ने उठकर टीवी बंद कर दिया। इसी बात पर दोनों में झगड़ा होने लगा। यह देखकर इनके पिता बीच-बचाव करने पहुंचे। देखा तो लड़की पहले चाकू और फिर बैट लेकर भाई को डरा रही है।

अचानक लगा बैट, हुई मौत

ऐसे में पिता ने लड़की से पहले चाकू छीना, फिर बैट भी छीन लिया, लेकिन अचानक इस छीना-झपटी में बैट पिता के हाथ से छूटा और बेटी के सिर पर लग गया। इससे उसे गंभीर चोटें आई और वह जमीन पर गिरकर तड़पने लगी। देखते ही देखते उसकी मौत हो गई। परिजनों ने तत्काल घटना की जानकारी डायल 112 के जरिए पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रिकेट बैट और चाकू जब्त करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जांच में जुटी पुलिस

प्राथमिक जांच में पुलिस को आशंका है कि इस घटना को सुसाइड करार देने की कोशिश की गई है। हालांकि पुलिस इस संबंध में कुछ भी कहने से बच रही है। पुलिस के मुताबिक 11वीं की कक्षा की मौत सिर की चोट की वजह से हुई है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। इसके लिए सोशल मीडिया पर उसके दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही बाप-बेटी के संबंधों की भी जांच हो रही है।

टोरेंट गो बैक आंदोलन तेज

जनवरी 2027 में फ्रेंचाइजी खत्म होने के बाद नवीनीकरण नहीं करने की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



भिवंडी में महावितरण की बिजली वितरण फ्रेंचाइजी व्यवस्था के खिलाफ 'टोरेंट गो बैक' आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। भिवंडीकर न्याय मंच के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में शहर और ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। आंदोलनकारियों ने जनवरी 2027 में टोरेंट पावर लिमिटेड की फ्रेंचाइजी अवधि समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं करने की मांग की।

मुख्यमंत्री को निवेदन

मंच की ओर से उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दोबारा निवेदन भेजा गया। मंच के अनुसार, वर्ष 2007 में टोरेंट पावर को भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्र में महावितरण की बिजली वितरण फ्रेंचाइजी दी गई थी, जिसकी मौजूदा अवधि जनवरी 2027 में समाप्त होगी।

उद्योग पर असर

मंच ने बिजली बिल, मीटर की सटीकता, ग्राहक सेवा और अन्य शिकायतों का हवाला देते हुए कहा कि इन समस्याओं का असर पावरलूम उद्योग, छोटे-मध्यम उद्यमों, व्यापार और रोजगार पर पड़ रहा है। आम उपभोक्ताओं को भी बढ़े बिल और ग्राहक सेवा से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विकल्प देने की मांग

मंच ने टोरेंट के बजाय अन्य पात्र कंपनियों को नियमानुसार अवसर देने की मांग की है। उसने टाटा पावर या अडानी समूह की संबंधित कंपनी जैसी कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया अपनाने का सुझाव दिया।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मंच ने कहा कि मांग नहीं मानी गई तो 5 अक्टूबर से शुरू आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हालांकि आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रखने की बात कही गई है।

मुआवजे को लेकर किसानों का चक्का जाम

विरार-अलीबाग कॉरिडोर के लिए जमीन अधिग्रहण का विरोध

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



विरार-अलीबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर के लिए जमीन अधिग्रहण में कम मुआवजा मिलने से नाराज भिवंडी तालुका के किसानों ने मंगलवार को खारबाव में भिवंडी-वसई मार्ग पर चक्का जाम किया। करीब दो घंटे चले आंदोलन के कारण हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

मुआवजे में भेदभाव का आरोप

किसानों ने आरोप लगाया कि इसी क्षेत्र से गुजर रही बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 11 लाख रुपए प्रति गुंठा मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि कॉरिडोर के लिए केवल 4 लाख रुपए प्रति गुंठा की दर तय की गई है। किसानों ने कहा कि कॉरिडोर बनने के बाद दूसरी ओर स्थित खेतों तक पहुंचने का रास्ता बंद हो जाएगा।

मांगें नहीं मानी तो विरोध तेज

दीपाली काटे ने एक ही गांव में दो परियोजनाओं के लिए अलग-अलग मुआवजा दरों पर सवाल उठाया। हर्षल पाटिल ने कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो किसान जमीन नहीं देंगे। किसानों ने 11 लाख रुपए प्रति गुंठा मुआवजा और खेतों तक पहुंचने के लिए अंडरपास या सर्विस रोड बनाने की मांग की।

दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित

सेवा संकल्प अभियान के तहत मनपा का आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा अव्हाळे के निर्देश पर दिव्यांग कल्याणकारी योजना विभाग की ओर से बुधवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप आयुक्त स्नेहा करपे के हाथों दिव्यांग लाभार्थियों को व्हीलचेयर, वॉकर, साधारण स्टिक, टॉयलेट चेयर और बैसाखियां वितरित की गईं।

योजनाओं का लाभ लेने की अपील

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और विभिन्न दिव्यांग संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्नेहा करपे ने दिव्यांगजनों से महानगरपालिका की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के सशक्तिकरण और जीवन को सुगम बनाने के लिए मनपा लगातार योजनाएं संचालित कर रही है।

अधिकारियों ने निभाई भूमिका

कार्यक्रम में अधीक्षक दत्तात्रय जाधव, वरिष्ठ लिपिक उदय वानखेडे, गौतम ससाणे, मंदा आगळे, सुशीला भालचिम तथा दिव्यांग संगठन के राजेश सालवे और रिहाना कुरेशी सहित अन्य उपस्थित रहे। सहायक आयुक्त गणेश शिंपी और विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने आयोजन में विशेष सहयोग किया।

कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर उल्हासनगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रोहित सालवे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने हत्या, मारपीट, चोरी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और व्यापारियों को धमकियों का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने देर रात तक संचालित रेस्टोरेंट, बीयर बार और डांस बारों पर कार्रवाई के साथ मटका, जुआ, अवैध शराब और मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। जमानत पर बाहर आए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर निगरानी की भी मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर धडके भी मौजूद रहे।

लोनावला में गोलीकांड निकला हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ लोनावला

पुणे जिले के पर्वतीय पर्यटन स्थल लोनावला में अचानक गोली चलने से हुई व्यक्ति की मौत का मामला हत्या का निकला है। पुलिस ने अभय माणिक मराठे की हत्या के आरोप में उसके 83 वर्षीय दादा मोतीराम रावजी मराठे समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा है। शुरूआत में बताया गया था कि भुशी बांध के पास स्थित मोतीराम होटल में सफाई के दौरान लाइसेंसी राइफल गलती से चल गई, जिससे अभय की मौत हुई। हालांकि, पुलिस को घटना की परिस्थितियां संदिग्ध लगीं। शव पर गोली के घाव के आसपास टैटू या धुएं के निशान नहीं मिले। इसके बाद स्थानीय अपराध शाखा ने मावल तहसील के भुशी स्थित होटल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल के अंदर दो जगहों पर खून के धब्बे मिले। दरवाजे के पास दीवार पर जमीन से करीब पांच फुट की ऊंचाई पर भी खून के छींटे मिले। इन परिस्थितियों से पुलिस को संदेह हुआ कि अभय को होटल के अंदर गोली मारी गई थी। मामले में पुलिस ने दादा समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

हिंदमाता एंकरः मुंबई में 3 जगह इमरजेंसी ब्लॉक, लोकल 25 मिनट लेट

अक्टूबर की तपती गर्मी से रेलवे पटरी पर बढ़ा खतरा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



अक्टूबर महीने की भीषण गर्मी और तेज धूप का असर अब रेलवे पटरियों पर भी दिखने लगा है। पटरियों के अत्यधिक गर्म होने और उनके फैलने के खतरे को देखते हुए सेंट्रल रेलवे को परेल, दिवा और दीघा में अचानक इमरजेंसी ब्लॉक लेना पड़ा। पटरियों की जांच और जरूरी मरम्मत कार्यों के लिए ट्रेनों की आवाजाही रोकी गई, जिसका सीधा असर लोकल सेवा पर पड़ा। इस दौरान कई लोकल ट्रेनें 20 से 25 मिनट की देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। परेल में डाउन स्लो लाइन पर दो बार काम किया गया, जिसके बाद दिवा और फिर ट्रांस-हार्बर लाइन पर दीघा स्टेशन के पास भी ब्लॉक लिया गया। इससे संबंधित रूट की लोकल ट्रेनों का पूरा टाइम टेबल गड़बड़ा गया। अक्टूबर के महीने में तापमान अचानक काफी बढ़ जाता है, जिससे लोहे की पटरियां तपकर फैलने लगती हैं। अगर पटरियों में खिंचाव या फैलाव ज्यादा हो जाए तो ट्रेनों के पटरी से उतरने का खतरा बन सकता है।

तीन स्टेशनों पर लिया गया ब्लॉक, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

परेल स्टेशन पर दोपहर 12:30 से 12:45 बजे और फिर 1:05 से 1:25 बजे तक डाउन स्लो ट्रैक पर ब्लॉक लिया गया। इसके बाद दिवा में दोपहर 1:38 से 1:53 बजे तक डाउन स्लो लाइन पर ट्रेनें रोकी गईं। वहीं ट्रांस-हार्बर मार्ग के दीघा स्टेशन के पास दोपहर 2:09 से 2:25 बजे तक काम चला। अलग-अलग जगहों पर लिए गए इस अचानक ब्लॉक के कारण लोकल ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। ट्रेनें 20 से 25 मिनट लेट होने से स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर मुसाफिरों की भारी भीड़ जमा हो गई और आने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए लोगों को भारी धक्का-मुक्की और मशक्कत करनी पड़ी।

मेट्रो स्टेशनों के बाहर अंधेरा, सुरक्षा खतरे में

मुंबई मेट्रो रेल के यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हो रहा है, लेकिन कई प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के आसपास प्रकाश व्यवस्था की भारी कमी बनी हुई है। रात के समय अंधेरा रहने के कारण यात्रियों विशेषकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मुंबई बीएमसी के सभागृह नेता गणेश खणकर ने इस संदर्भ में मनपा आयुक्त अश्विनी भिड़े से हस्तक्षेप करने का निवेदन किया है। खणकर ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों की ओर जाने वाली सड़कों, पैदल मार्गों, फुटपाथों और प्रवेश-निकास द्वारों पर आधुनिक एलईडी स्ट्रीट लाइट तथा हाईमास्ट लाइटें लगाई जानी चाहिए। प्रशासन को तत्काल सर्वेक्षण करवाकर स्थायी प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

कहां और कब लगा इमरजेंसी ब्लॉक

परेल: दोपहर 12:30 से 12:45 और 1:05 से 1:25 बजे डाउन स्लो लाइन

दिवा : दोपहर 1:38 से 1:53 बजे डाउन स्लो लाइन

दीघा: दोपहर 2:09 से 2:25 बजे ट्रांस-हार्बर लाइन

असर : लोकल ट्रेनें 20 से 25 मिनट की देरी से चलीं

शॉर्ट स्टोरी

भिवंडी में निकली सेवा ज्योत यात्रा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री पद तक के कार्यकाल के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में 'सेवा संकल्प माह' मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को भिवंडी में भाजपा द्वारा 'सेवा ज्योत यात्रा' निकाली गई। शहर अध्यक्ष रवि सावंत और विधायक महेश चौघुले के नेतृत्व में आयोजित यात्रा भाजपा के केंद्रीय कार्यालय से शुरू होकर कनेरी स्थित चौघुले के निवास पर संपन्न हुई। विधायक महेश चौघुले ने कहा कि नरेंद्र मोदी के सेवाकाल में आम जनता के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। शहर अध्यक्ष रवि सावंत ने विपक्ष पर जाति और धर्म की राजनीति कर नागरिकों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। यात्रा में संजय वाघुले, कल्पना शर्मा, सुगंधा टावरे, ममता परमाणी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छता दूतों का सम्मान

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



महाराष्ट्र नागरी विकास अभियान संचालनालय के स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) के मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' और 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 2 अक्टूबर को उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय में स्वच्छ भारत दिवस एवं स्वच्छता दूत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम आयुक्त मनीषा आव्हाळे, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. धीरज चव्हाण और उपायुक्त (आरोग्य) डॉ. दिपाली चौगुले के निदेर्शानुसार हुआ। समारोह में स्वास्थ्य सभापति सविता तोरणे (रगडे), नगरसेविका सुचित्रा सिंह, स्वच्छता विभाग प्रमुख विनोद केणे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार, विधि विभाग प्रमुख राजा बुलानी सहित सहायक नियंत्रक, स्वच्छता निरीक्षक, मुकादम और स्वच्छता दूत उपस्थित रहे। स्वच्छता दूतों, स्वच्छता वॉरियर्स तथा श्रमदान में भाग लेने वाली सामाजिक संस्थाओं और महाविद्यालयों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी प्राजक्ता कुलकर्णी ने दी।

उत्तर मुंबई में सेवा ज्योति यात्रा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



भारतीय जनता पार्टी उत्तर मुंबई की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के निरंतर 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को 'सेवा ज्योति यात्रा' निकाली गई। इससे पहले कांदिवली के ठाकुर भाटिया हॉल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों और नगरसेवकों ने दिल्ली से भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीधे संवाद को सुना। इस अवसर पर 'नागरिक देवो भव' का संदेश दिया गया। सीधे संवाद के बाद निकाली गई सेवा ज्योति यात्रा स्वामी विवेकानंद मार्ग से होते हुए कांदिवली पश्चिम स्थित लोककल्याण कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर, विधायक एवं महाराष्ट्र प्रदेश महामंत्री योगेश सागर, विधायक अतुल भातखलकर, संजय उपाध्याय, मनीषा चौधरी, वरिष्ठ नेता भाई गिरकर, जिलाध्यक्ष दीपक बाला तावड़े, मुंबई भाजपा महामंत्री विनोद शेलार और प्रभारी अभिजीत सामंत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

हुसेन पठाण भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई के महामंत्री बने

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए अंधेरी पूर्व के जाने माने समाजसेवक और वरिष्ठ भाजपा नेता हुसेन पठाण को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई का महामंत्री नियुक्त किया है। पठाण की यह नियुक्ति मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित साटम की अनुशंसा पर अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष वसीम खान द्वारा की गई है। अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए हुसेन पठाण ने कहा कि पार्टी ने जिस आशा और विश्वास के साथ मुझे इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उसे मद्देनजर रखते हुए संगठन का जनाधार बढ़ाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखुंगा। पठाण को महामंत्री बनाए जाने पर अल्ताफ खान,हाजी असलम शेख,अमजद खान,सुरेश कथुरे, सोमनाथ राक्षे,अक्रम शेख, इरशाद अंसारी, सलीम शेख, राकेश गुप्ता, गोविंद पटेल, नितेश मोरे, नाना झिटे,अब्दुल्ला शेख, शाहनवाज पठाण सहित अनेक लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दी है। बता दें कि हुसेन पठाण लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी में विभिन्न पदों पर आसीन रहे हैं।

भागवत कथा का आयोजन पितृपक्ष में कथा श्रवण लाभकारीः लक्ष्मीचंद

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर



विश्वकर्मा परिवार द्वारा मीरा रोड के रामदेव पार्क में भव्य भागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा वाचक आचार्य गुरु वृंदावन वाले कथा वाचन कर रहे है। 9 अक्टूबर को कथा का समापन महाप्रसाद के साथ होगा। भागवत कथा के आयोजक लक्ष्मीचंद विश्वकर्मा ने बताया कि पितृपक्ष में भागवत कथा का आयोजन और कथा का श्रवण बड़ा ही लाभकारी है। समाजसेवी लक्ष्मीचंद विश्वकर्मा ने कहा कि उनकी माता जी की इच्छा अनुसार यह आयोजन किया जा रहा है और यह आयोजन आगे भी होता रहेगा। सनातन धर्म में भागवत कथा का विशेष महत्व है इसलिए उनका परिवार भागवत कथा का आयोजन हर वर्ष करेगा। कथा के समापन 9 को होगा जिसकी तैयारी आयोजकों ने की है।

महिला पार्षदों के लिए अलग समय की मांग

स्नेहा पाटिल ने महापौर और आयुक्त को लिखा पत्र

वार्ड समस्याओं के लिए समय की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी मनपा महासभा में महिला पार्षदों को अपनी बात रखने के लिए अलग समय आरक्षित करने की मांग की गई है। पार्षद स्नेहा मेहुल पाटिल ने महापौर नारायण चौधरी और आयुक्त अनमोल सागर को पत्र देकर यह मांग रखी है। उन्होंने कहा कि मनपा में 50 प्रतिशत महिला पार्षद हैं, जिनमें करीब 90 प्रतिशत पहली बार निर्वाचित हुई हैं। तीन साल के प्रशासक राज के बाद चुने हुए प्रतिनिधियों से लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी हैं, लेकिन एजेंडा के कारण वार्ड की समस्याएं रखने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।

महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर जोर

पाटिल ने कहा कि महिला पार्षद महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, स्वच्छता और जलापूर्ति जैसे मुद्दे उठाती हैं। इसलिए सामान्य चर्चा के लिए स्वतंत्र समय तय करने और उसमें महिला पार्षदों के लिए अलग समय आरक्षित करने की मांग की गई है।

महासभा सुबह 11 बजे कराने की मांग

कांग्रेस पार्षद खान अब्दुल रहमान उर्फ सद्दाम भाई ने भी आयुक्त को पत्र देकर महासभा दोपहर 3 या 3:30 बजे के बजाय सुबह 11 बजे शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सुबह सभा होने से दिनभर दो सत्रों में कामकाज हो सकेगा। साथ ही एजेंडा से पहले कम से कम एक घंटे का समय सामान्य चर्चा के लिए अनिवार्य करने की मांग की है।

महाराष्ट्र के आश्रम स्कूलों के भोजन की गुणवत्ता जांचेगी 9 सदस्यीय समिति

30 अक्टूबर तक देनी होगी रिपोर्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



महाराष्ट्र के आश्रम स्कूलों में छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं और भोजन की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच आदिवासी विकास विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने आश्रम स्कूलों में भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता जांचने के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को 30 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट आदिवासी विकास आयुक्त को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

सेंट्रल किचन की व्यवस्था की होगी जांच

आश्रम स्कूलों में छात्रों को सेंट्रल किचन के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाता है। समिति इस पूरी व्यवस्था में मौजूद कमियों और खामियों का अध्ययन करेगी। इसके तहत किचन से लेकर स्कूल तक भोजन पहुंचने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की जाएगी।

खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई पर नजर

समिति के सदस्य संबंधित किचन का प्रत्यक्ष निरीक्षण करेंगे। इस दौरान भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, भोजन के परिवहन और डिलीवरी के समय की जांच की जाएगी। इसके अलावा छात्रों और स्कूल प्रबंधन समितियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और शिकायतों की जानकारी भी ली जाएगी।

गोपीचंद कदम समिति के अध्यक्ष

ठाणे शहर के अपर आयुक्त गोपीचंद कदम को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में नाशिक के अपर आयुक्त दिनकर पवारा, अंडर सेक्रेटरी प्रदीप मोरे, संयुक्त आयुक्त संतोष ठुबे और घोडेगांव के प्रोजेक्ट ऑफिसर गणेश इवनाते को शामिल किया गया है।

विशेषज्ञ और संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल

समिति में यूनीसेफ के डाइटीशियन, यूएनडीपी के स्टेट कोऑर्डिनेटर उज्ज्वल पहुरकर और स्त्री शक्ति के प्रतिनिधि को भी सदस्य बनाया गया है। नंदुरबार के प्रोजेक्ट ऑफिसर चंद्रकांत पवार को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया

6 नवंबर से पहले सरकार को जाएगी रिपोर्ट

सरकारी आदेश के अनुसार समिति को 30 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट आदिवासी विकास आयुक्त को सौंपनी होगी। इसके बाद आयुक्त को समिति की रिपोर्ट पर अपना अभिप्राय देते हुए 6 नवंबर से पहले सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। आदिवासी छात्रों की विभिन्न मांगों के बीच आश्रम स्कूलों की भोजन व्यवस्था की यह जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कन्या भ्रूण हत्या पर महाराष्ट्र सरकार सख्त

● दोषियों पर लगेगा मकोका, शीतकालीन सत्र में आएगा कानून संशोधन बिल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



महाराष्ट्र में गिरते लिंगानुपात और जन्म से पहले अवैध लिंग जांच के जरिए होने वाली कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार अब आर-पार के मूड में है। लिंग चयन और भ्रूण हत्या में संलिप्त फर्जी डॉक्टरों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 'प्री-कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स एक्ट, 1994 और 2003' में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि आगामी महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान कानून में संशोधन के लिए एक विशेष विधेयक विधानसभा में पेश किया जाएगा।

भ्रूण हत्या के दोषियों पर लगेगा मकोका

इस नए संशोधन का मुख्य उद्देश्य लिंग जांच जैसे गंभीर अपराध में शामिल दोषियों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम जैसी सख्त धाराएं लागू करना और सजा व दोषसिद्धि की प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी व तीव्र बनाना है।

टास्क फोर्स की पहली राज्यस्तरीय बैठक में बड़ा फैसला

यह घोषणा स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की पहली उच्चस्तरीय बैठक के दौरान की गई। पीसीपीएनडीटी एक्ट को जमीनी स्तर पर कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य से गठित इस टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने की। इस दौरान टास्क फोर्स की चेयरपर्सन व विधान परिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे, एमएलसी मनीषा कायंदे, एमएलसी उमा खापरे, एमएलसी स्नेहा दुबे-पंडित और स्वास्थ्य सेवा आयुक्त संजय कटकर सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तर पर बनेगा एक्शन प्लान

मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा कि टास्क फोर्स के कामकाज को जिला स्तर तक बढ़ाना जरूरी है ताकि उन इलाकों से भी शिकायतें मिल सकें। इसके लिए एक समय-सीमा वाला एक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए और अधिकारियों व कर्मचारियों की एक समर्पित टीम नियुक्त की जानी

फर्जी डॉक्टरों की बनेगी लिस्ट

जनता को जानकारी देने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाले या 'फर्जी' डॉक्टरों की एक लिस्ट तैयार करके प्रकाशित की जानी चाहिए, ताकि नागरिक उन पर नजर रखने में मदद कर सकें। मंत्री आबिटकर ने ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीनें पर लगेगी रोक

स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने बताया कि आजकल बाजार में पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीनें उपलब्ध हैं और गूगल पर उनके विज्ञापन भी आते हैं, इस बारे में एक सर्वे किया जाना चाहिए और ऐसे उत्पादों पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसके अलावा, यह भी जांचा जाना चाहिए कि क्या जानवरों के इलाज के लिए बनी सोनोग्राफी मशीनों का इंसानों के लिए गलत इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जन-जागरूकता के निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने निर्देश दिए कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले सभी जिलों में जिला-स्तरीय कमेटियों की समीक्षा के लिए बैठकें की जाएं और कानून के बारे में जन-जागरूकता फैलाने वालों को और सशक्त बनाने व उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए वर्कशॉप आयोजित की जाएं।

मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट उड़ान शिफ्टिंग पर फिलहाल रोक

25 अक्टूबर से 33% कटौती की योजना टली

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई एयरपोर्ट से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को स्थानांतरित करने की योजना फिलहाल टाल दी गई है। नागर विमानन मंत्रालय ने अदाणी एयरपोर्ट्स से कहा है कि इस संबंध में आगे चर्चा होने तक उड़ानों की शिफ्टिंग का फैसला न लिया जाए।

25 अक्टूबर से कटौती की थी योजना

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एयरलाइंस से कहा था कि वे 25 अक्टूबर तक मुंबई एयरपोर्ट से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 33 प्रतिशत तक कटौती करें या कुछ उड़ानों को बंद करें। एयरलाइंस की ओर से इस प्रस्ताव का विरोध किया गया था। इसके बाद सरकार ने सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक कर मामले पर चर्चा की।

टर्मिनल-1 के नवीनीकरण के कारण योजना

एएएचएल मुंबई और नवी मुंबई दोनों एयरपोर्ट का संचालन करती है। मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का नवीनीकरण प्रस्तावित है। इसी वजह से एयरपोर्ट पर उड़ानों के संचालन का कुछ हिस्सा नवी मुंबई एयरपोर्ट पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, एयरलाइंस की आपत्तियों के बाद अब इस योजना को लेकर आगे चर्चा की जाएगी।

नागर विमानन मंत्रालय की बैठक

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में इस मुद्दे पर बैठक हुई। इसमें एयरलाइंस, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड, फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस, इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में मुंबई शहर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के नवीनीकरण और उड़ानों के संभावित पुनर्विन्यास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

आगे चर्चा के बाद बनेगी योजना

मंत्रालय ने संकेत दिया है कि उड़ानों को मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट पर स्थानांतरित करने से पहले सभी संबंधित पक्षों के साथ आगे विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके बाद ही संचालन की नई योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल एयरलाइंस को 25 अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में प्रस्तावित 33 प्रतिशत कटौती को लेकर तत्काल बदलाव करने से राहत मिली है। आने वाले दिनों में होने वाली चर्चा के बाद मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच उड़ानों के संचालन को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी केस में बड़ी कार्रवाई

2 गिरफ्तार, 11.66 लाख के मोबाइल जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



एलटी मार्ग पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड मामले का खुलासा करते हुए गुजरात के अहमदाबाद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड से धोखाधड़ी कर हासिल रकम से महंगे मोबाइल फोन खरीदे थे।

11.66 लाख के 25 मोबाइल बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल 25 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 11.66 लाख रुपए बताई गई है। बरामद मोबाइल में एप्पल, सैमसंग, गूगल और वीवो जैसे प्रमुख ब्रांड के फोन शामिल हैं।

आरबीएल बैंक प्रतिनिधि बनकर किया फोन

मामले की शुरूआत तब हुई, जब एक पीड़ित को अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को आरबीएल बैंक का प्रतिनिधि बताया। आरोपी ने पीड़ित को उसके क्रेडिट कार्ड की 'मेल ऑर्डर' सुविधा बंद करने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित को व्हाट्सऐप पर एक संदिग्ध लिंक भेजा। पीड़ित के लिंक खोलते ही आरोपियों ने उसके क्रेडिट कार्ड का कथित तौर पर अनधिकृत इस्तेमाल किया।

4.48 लाख रुपए की ऑनलाइन खरीदारी

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 'रिक्विक' प्लेटफॉर्म के जरिए क्रेडिट कार्ड से 4,48,729 रुपए की ऑनलाइन खरीदारी की। लेनदेन की जानकारी सामने आने के बाद पीड़ित ने एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

तकनीकी जांच से अहमदाबाद पहुंची पुलिस

मामला दर्ज होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और साइबर क्राइम डिटेक्शन टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान संदिग्धों की लोकेशन अहमदाबाद में ट्रेस हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दो आरोपियों की गिरफ्तारी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजीम बेग मिर्जा और मोइन रहीम शेख के रूप में हुई है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और साइबर फ्रॉड के संभावित लिंक की जांच कर रही है।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

मुंबई पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद मोबाइल फोन कहां और किस उद्देश्य से खरीदे गए थे। साथ ही, जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि इस साइबर फ्रॉड में और कितने लोग शामिल हैं तथा अन्य पीड़ितों को भी इसी तरीके से निशाना बनाया गया है या नहीं।

3 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी का खुलासा

गेमिंग-सट्टेबाजी गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती



ग्रामीण पुलिस ने पुणे में संचालित हो रहे ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के एक बड़े आर्थिक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की विशेष टीम ने पुणे में छापेमारी कर तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राथमिक जांच में करीब 3 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिले के शिरजगांव थाने में आम नागरिकों के बैंक खातों का दुरुपयोग कर ऑनलाइन गेमिंग व सट्टेबाजी के जरिए करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन-देन का मामला सामने आया था। जिसकी जांच साइबर पुलिस को सौंपी गई थी।

पुणे के धायरी में पुलिस की रेड, 3 गिरफ्तार

तकनीकी विश्लेषण और बैंक खातों की गहन पड़ताल के दौरान साइबर पुलिस को इस गिरोह के तार पुणे से जुड़े होने के सबूत मिले। साइबर पुलिस की टीम ने तुरंत पुणे पहुंचकर धायरी स्थित अर्णव हाइट्स, यमुनाताई पोखले नगर के एक फ्लैट में दबिश दी। पुलिस ने मौके से आरोपी भूषण सुभाषराव दंडाले (23, कुर्दी, सुरली, वरुड, अमरावती), रोशननंद राजू दंडाले (28, सावंगा वरुड, अमरावती) व अंकित विट्ठलराव मसुले (26, जरुड, वरुड अमरावती) को हिरासत में लिया। इस मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अंतिम लाभार्थियों व साठगांठ की तलाश

पुलिस द्वारा जब्त मोबाइल और लैपटॉप की प्रारंभिक जांच से स्पष्ट हुआ है कि इनका उपयोग ऑनलाइन गेमिंग, बेटिंग और अवैध वित्तीय लेन-देन के लिए किया जा रहा था। बैंक खातों के प्राथमिक विश्लेषण में अब तक लगभग 3 करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड का पता चला है। पुलिस इन खातों के अंतिम लाभार्थियों और इस वित्तीय साठगांठ से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक दत्ता तोतेवाड, साइबर थाने के प्रभारी पुलिस निरीक्षक अशोक लांडे के नेतृत्व में एपीआई अमोल पुरी, पीएसआई सुनील बंसोड, प्रवीण वानखडे, पंकज गोलाइटकर, प्रवीण अबाडकर, गुणवंत शिरसाठ, विकास अंजिकर, रितेश गोसावी, राहुल गौरखेडे, आशिष जांभुले, सुमित चव्हाण, पूनम कान्होलीकर, कल्पना सोनोत्रे, सरिता चौधरी तथा चालक इमरान ने की।

4.40 लाख का सामान और बैंकिंग उपकरण जब्त

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से डिजिटल और बैंकिंग से जुड़ा भारी सामान जब्त किया है। जिसमें 24 मोबाइल हैडसेट, 4 लैपटॉप, 29 विभिन्न बैंकों के एटीएम/डेबिट कार्ड, 13 चेकबुक, 7 बैंक पासबुक, 12 विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड ऐसा कुल 4 लाख 40 हजार रूपए का माल जब्त किया।

भीड़ ने युवक को पीट-पीट कर मार डाला

घर के बाहर खेल रही बच्ची के साथ दरिंदगी का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर



नागपुर में नौ साल की बच्ची को घर ले जाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 35 साल के युवक की भीड़ ने पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान नारायणदास मनमोहनदास वैष्णव के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार रात करीब 8 बजे से 9:30 बजे के बीच नागपुर के परडी थाना क्षेत्र में हुई। बच्ची अपने घर के आसपास खेल रही थी। इसी दौरान नारायणदास वैष्णव कथित तौर पर उसे पास स्थित अपने घर ले गया। परिवार के अनुसार, घर के अंदर आरोपी ने बच्ची को गलत तरीके से छुआ और उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना के बाद बच्ची ने अपने परिवार को पूरी बात बताई। जानकारी सामने आने के बाद परिवार और आसपास के लोगों में आक्रोश फैल गया।

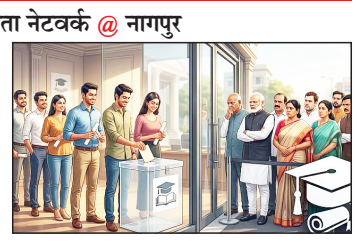
बड़ी संख्या में लोग जुटे, आरोपी की पिटाई

बच्ची के परिवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग आरोपी के घर के आसपास एकत्र हो गए। पुलिस के मुताबिक, भीड़ ने नारायणदास वैष्णव के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में वैष्णव गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसे नागपुर के मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बावनकुले से पटोले तक 14 एमएलए और 2 सांसद नहीं डाल पाएंगे वोट

नागपुर स्नातक चुनाव में शैक्षणिक योग्यता बनी वजह

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर



नागपुर विभाग स्नातक (पदवीधर) निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में इस बार अजीब स्थिति बनी है। इस क्षेत्र के 14 विधायक और 2 सांसद मतदान नहीं कर पाएंगे। इनमें भाजपा के चंद्रशेखर बावनकुले, कांग्रेस के नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार भी शामिल हैं। इनकी कम शैक्षणिक योग्यता इसकी वजह है, क्योंकि इस चुनाव में केवल स्नातक ही मतदाता बन सकते हैं।

स्नातक होना अनिवार्य

आमतौर पर विधानपरिषद चुनावों में विधायक ही मतदान करते हैं। लेकिन स्नातक क्षेत्र के नियमों के मुताबिक मतदाता का स्नातक होना जरूरी है। नागपुर विभाग के 32 में से 14 विधायक स्नातक नहीं हैं। इनकी पढ़ाई दसवीं, बारहवीं या कॉलेज के पहले-दूसरे वर्ष तक ही हुई है। जिले की राजनीति की बागडोर संभालने वाले ये जनप्रतिनिधि खुद इस चुनाव के मतदाता नहीं हैं।

सूची में पूर्व मंत्री आत्राम सहित ये दिग्गज नेता भी शामिल

चंद्रशेखर बावनकुले, नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार के अलावा पूर्व मंत्री धर्मरावबाबा आत्राम भी नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में मतदान नहीं कर सकेंगे। वहीं, सांसदों में रामटेक के श्याम कुमार बर्वे और राज्यसभा सदस्य माया इवनाते का नाम भी इस सूची में शामिल है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए मतदाता का निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूरी करना अनिवार्य है। इसी नियम के कारण ये जनप्रतिनिधि इस चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। खास बात यह है कि ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय राजनीतिक भूमिका निभाते हैं, लेकिन इस चुनाव की मतदाता सूची में पात्र नहीं हैं।

आकार ले रहा नया एल्फिंस्टन फ्लाईओवर

पश्चिमी हिस्से में स्टील गर्डर लगाने का काम तेज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई शहर की महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल नया एल्फिंस्टन फ्लाईओवर अब तेजी से आकार ले रहा है। एल्फिंस्टन ब्रिज के पश्चिमी हिस्से में निमार्णाधीन इस फ्लाईओवर पर स्टील गर्डर लगाने का काम तेज गति से जारी है। बड़े आकार के गर्डरों को क्रेन और अन्य उपकरणों की मदद से निर्धारित स्थानों पर स्थापित किया जा रहा है।

पश्चिमी हिस्से में निर्माण तेज

एल्फिंस्टन ब्रिज के पश्चिमी हिस्से में फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। फिलहाल स्टील गर्डर लगाने का चरण परियोजना के प्रमुख कामों में शामिल है। भारी गर्डरों को सावधानीपूर्वक उठाकर फ्लाईओवर के निर्धारित हिस्सों में फिट किया जा रहा है।

गर्डर लगने से ढांचा हो रहा स्पष्ट

स्टील गर्डर स्थापित होने के साथ फ्लाईओवर का मुख्य ढांचा अब स्पष्ट नजर आने लगा है। गर्डर लगाए जाने के बाद ढांचे को मजबूती मिलेगी और निर्माण के अगले चरणों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। काम को अलग-अलग चरणों में पूरा किया जा रहा है, ताकि आसपास की सड़क और रेल गतिविधियों पर कम से कम असर पड़े।

यातायात दबाव कम होने की उम्मीद

एल्फिंस्टन क्षेत्र मुंबई के प्रमुख व्यावसायिक और परिवहन इलाकों में शामिल है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में वाहन और यात्रियों की आवाजाही होती है। मौजूदा एल्फिंस्टन ब्रिज और आसपास की सड़कों पर यातायात दबाव को देखते हुए नए फ्लाईओवर से आवागमन सुगम होने की उम्मीद है।

एआई से नौकरियों पर मंडरा रहा बड़ा खतरा!

युवाओं के लिए बदल रहा कॅरियर का रोडमैप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने भारत के युवाओं के सामने कॅरियर को लेकर नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत के करीब 63 प्रतिशत वर्कफोर्स को नए कौशल सीखने यानी री-स्किलिंग की जरूरत होगी। वहीं, 2026 के अंत तक देश में करीब 3 करोड़ डिजिटल रूप से कुशल पेशेवरों की मांग रहने का अनुमान है। ऐसे में युवाओं के लिए पारंपरिक नौकरियों के बजाय एआई के साथ काम करने की क्षमता विकसित करना जरूरी हो गया है।

इन नौकरियों पर बढ़ेगा दबाव

डेटा एंट्री, शेड्यूलिंग जैसे शुरूआती प्रशासनिक कार्य, रिपोर्ट का पहला ड्राफ्ट, बेसिक कॉपीराइटिंग, बेसिक कोडिंग और क्यूए टेस्टिंग जैसी भूमिकाओं पर एआई का दबाव बढ़ सकता है। इससे युवाओं के सामने 'पहले नौकरी चाहिए, फिर अनुभव' वाली चुनौती और गंभीर हो सकती है। डायरेक्टर-इन-चार्ज और हेड ऑफ एकेडमिक्स, मणिपाल एकेडमी ऑफ बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज के डॉ. सौम्यदीप रॉय के मुताबिक, एआई मुख्य रूप से 'नौकरियों' को नहीं बल्कि 'कार्यों' को प्रभावित करता है। लेकिन जब किसी नौकरी के कई कार्य ऑटोमेट हो जाते हैं तो पूरी भूमिका का स्वरूप बदल जाता है। मैकिन्से के एक सर्वे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 51 प्रतिशत कंपनियां जेनएआई के कारण शुरूआती स्तर की भर्तियों में कमी कर रही हैं।

मनोज जरांगे पर गंभीर आरोप अजय बारस्कर ने कहा- टेंडर योद्धा

5,426 करोड़ रुपए के जमीन सौदे का किया दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल अपने पूर्व सहयोगियों के कारण लगातार विवादों में घिर रहे हैं। अजय बारस्कर और रेखा कोंडे ने अलग-अलग प्रेस कॉन्फ्रेंसों में मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील पर करोड़ों रुपए के घोटाले और भ्रष्टाचार के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। बारस्कर ने जरांगे को 'संघर्ष योद्धा' के बजाय 'टेंडर योद्धा' बताते हुए इस पूरे मामले के सबूत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपने का ऐलान किया है।

करोड़ों के टेंडर घोटाले का आरोप

बुधवार को मुंबई में आयोजित पत्रकार परिषद में बारस्कर ने कहा कि मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील के जरिए मनोज जरांगे के सिंडिकेट ने 5,426 करोड़ रुपए के टेंडर हासिल किए। उन्होंने 3,770 करोड़ रुपए के घोटाले और माणिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को 635 करोड़ का काम देने पर सवाल उठाया। जरांगे के साले विलास खेडकर रेत चोरी में शामिल हैं। संजय कटारे ने मार्च 2023 में चार करोड़ रुपए से अधिक की रेत चुराई। ठेकेदार किशोर बलांडे जरांगे का पार्टनर है।

रेखा कोंडे की मांगें

रेखा कोंडे ने पुणे में कहा कि 2023 से 2026 के बीच करीब 11 अनशन हुए, पर समाज को क्या मिला। उन्होंने युवाओं पर दर्ज मामलों और आत्महत्याओं का जिक्र किया। उन्होंने दो करोड़ रुपए के डिफेंडर वाहन के स्रोत की जांच मांगी और सबूत सामने लाने का दावा किया। कोंडे ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग के खिलाफ सिंहगड थाने में शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। उन्होंने छत्रपति भवन के फंड पर भी सवाल उठाया और दो दिन में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस व गृहमंत्री से मिलकर कड़ी कार्रवाई की मांग करने की बात कही।

हिंदमाता एंकर: बंधेगा कलावा... एंट्री से पहले नए नियम जान लें

मुंबई में गरबा खेलना है तो पहले लगेगा तिलक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई में नवरात्रि के गरबा और डांडिया आयोजनों को लेकर इस बार कुछ नए नियम चर्चा में हैं। मलाड ईस्ट के रामलीला मैदान में बीजेपी की ओर से आयोजित गरबा कार्यक्रम में एंट्री से पहले तिलक लगाना और हाथ में कलावा बांधना जरूरी किया गया है। आयोजकों का कहना है कि गरबा में गैर-हिंदू भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उन्हें नवरात्रि की धार्मिक परंपराओं और नियमों का पालन करना होगा। आयोजन स्थल पर लगाए गए कुछ पोस्टरों में 'लव जिहाद' का भी जिक्र किया गया है।

एंट्री से पहले तिलक और कलावा

मालाड के रामलीला मैदान में गरबा में शामिल होने वाले लोगों के लिए प्रवेश द्वार पर ही तिलक और कलावा की व्यवस्था की गई है। इसके लिए पांच पंडित गेट पर मौजूद रहेंगे। मंत्रोच्चार के साथ लोगों को तिलक लगाया जाएगा और हाथ में कलावा बांधा जाएगा। इसके बाद ही उन्हें गरबा मैदान में प्रवेश दिया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह व्यवस्था नवरात्रि की धार्मिक परंपराओं और आयोजन की पवित्रता को बनाए रखने के लिए की गई है। उनका कहना है कि यह नियम किसी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं है।

लव जिहाद को लेकर लगाए गए पोस्टर

गरबा मैदान में लगाए गए कुछ पोस्टर भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इनमें हिंदू लड़कियों को सतर्क रहने की अपील की गई है। पोस्टरों पर लिखा है- हिंदू लड़कियां शिकार नहीं, शेरनी बनो और भेष बदलकर आने वालों को पहचानो। एक अन्य पोस्टर पर लिखा है- पहचान छिपाकर रिश्ता नहीं, जब मां का तिलक लगेगा तो नवरात्रि में प्रवेश मिलेगा। इन पोस्टरों के जरिए आयोजकों की ओर से गरबा में आने वाले लोगों को अपनी पहचान को लेकर सतर्क रहने की बात कही गई है।

संस्कृति का हो रहा अपमान

आयोजकों का आरोप है कि नवरात्रि के दौरान कुछ गैर-हिंदू युवक गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में शामिल होते हैं और हिंदू लड़कियों से गलत व्यवहार करते हैं। इसी को लेकर लव जिहाद की आशंका जताई जाती रही है। इसी वजह से इस बार कई आयोजक गरबा कार्यक्रमों में प्रवेश और आयोजन से जुड़े नियमों को लेकर सख्ती की बात कर रहे हैं। खासकर बीजेपी के विधायक, सांसद या पार्षदों से जुड़े आयोजनों में नवरात्रि की परंपराओं का पालन करने पर जोर दिया जा रहा है।

कुछ आयोजक गैर-हिंदुओं की एंट्री के खिलाफ

मुंबई में गरबा आयोजनों को लेकर सभी आयोजकों का रुख एक जैसा नहीं है। कुछ आयोजकों ने गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने की बात भी कही है। वहीं, कुछ आयोजक धार्मिक परंपराओं का पालन करने की शर्त के साथ गैर-हिंदुओं को गरबा में शामिल होने की अनुमति देने की बात कर रहे हैं।

गरबा मैदान में तैयारियां तेज

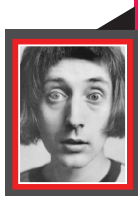
मालाड के रामलीला मैदान में गरबा आयोजन की तैयारियां भी तेजी से चल रही हैं। मैदान में लकड़ी के प्लेटफॉर्म तैयार किए जा रहे हैं, ताकि गरबा और डांडिया खेलने वाले लोगों को परेशानी न हो। प्रवेश द्वार पर तिलक-कलावा की व्यवस्था के साथ मैदान के अंदर भी कई बैनर लगाए गए हैं। मुंबई के मालाड, कांदिवली, बोरीवली, चिकूवाड़ी, महावीर नगर, गोरेगांव और अंधेरी सहित कई इलाकों में गरबा आयोजनों को लेकर इस तरह के नियम और पोस्टर चर्चा में हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि धार्मिक परंपराओं के नाम पर लगाए जा रहे इन नियमों को लेकर मुंबई में आने वाले दिनों में किस तरह की बहस सामने आती है।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is
SIDDHI PRADEEP MORE
to New Name SIDDHI PRADIP MORE.
In Maharashtra Govt. Gazette no. (M-26301020)
So All Public now call me
SIDDHI PRADIP MORE

(Add. 203, A-5, Shree Lakshmi Sankul,
Near Rainy Resort, Hendrepada, Badlapur(West).)

विचार प्रवाह



मैंने भगवान से एक बाइक मांगी, लेकिन मुझे पता है भगवान ऐसे काम नहीं करते। इसलिए मैंने एक बाइक चुरा ली और क्षमा मांग ली।

- एमो फिलिप्स

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के लिए किए जाने वाले वैज्ञानिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित नोबेल पुरस्कार का चिकित्सा विज्ञान से जुड़ा सम्मान इस बार एक ऐसी खोज को मिला है, जिसने मानव मस्तिष्क को समझने के नए रास्ते खोल दिए हैं। वर्ष 2026 का चिकित्सा विज्ञान का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी के माध्यम से नियंत्रित करने वाली खोज के लिए दिया गया है। उनके अनुसंधान से विकसित 'ऑप्टोजेनेटिक्स' तकनीक तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिए प्रकाश का इस्तेमाल करती है। मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों न्यूरॉन्स होते हैं, जो विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करते हैं। लंबे समय से वैज्ञानिक यह जानने का प्रयास करते रहे हैं कि याददाश्त, भावनाओं, व्यवहार और विभिन्न गतिविधियों को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स के अलग-अलग समूहों की क्या भूमिका होती है। चुनौती यह थी कि आधुनिक तकनीकों से मस्तिष्क की गतिविधियों को देखा तो जा सकता था, लेकिन किसी विशेष तंत्रिका कोशिका को सटीक रूप से नियंत्रित करना कठिन था। इस महत्वपूर्ण खोज की शुरूआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को समझने से हुई। हेगेमान और जॉर्ज नेगल ने एक ऐसे प्रोटीन की खोज की, जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलता है और विद्युत गतिविधि पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस प्रोटीन की प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया का अध्ययन किया। आगे चलकर इसी सिद्धांत का इस्तेमाल न्यूरॉन्स को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाने में किया गया। इसके बाद शोधकर्ताओं के लिए चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके उनके प्रभावों का अध्ययन करना संभव हुआ। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे केवल यह जानना ही संभव नहीं होगा कि मस्तिष्क का कौन-सा हिस्सा किसी भावना या गतिविधि के दौरान सक्रिय होता है, बल्कि यह भी पता लगाया जा सकेगा कि कौन-सी विशिष्ट कोशिकाएं उस प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार हैं। दिमाग की कोशिकाओं को नियंत्रित करने वाला यह तरीका चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का आधार बन सकता है। इससे विशिष्ट न्यूरॉन्स के व्यवहार को अधिक गहराई से समझने और मस्तिष्क से जुड़े रोगों के उपचार की नई संभावनाएं सामने आई हैं। पार्किंसंस जैसे रोगों में खास तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करके शरीर में होने वाले कंपन और अन्य लक्षणों को कम करने की उम्मीद जगी है। आधुनिक जीवनशैली के साथ बढ़ रहे तनाव और अवसाद के क्षेत्र में भी यह तकनीक महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। शोध के माध्यम से यह समझने में मदद मिल सकती है कि ऐसी स्थितियों के दौरान मस्तिष्क की कौन-सी कोशिकाएं प्रभावित होती हैं और उन्हें नियंत्रित करने का क्या प्रभाव पड़ता है। इस खोज की एक बड़ी संभावना आंखों की रेटिना कोशिकाओं से जुड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि रेटिना की कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर उन लोगों के लिए दृष्टि लौटाने की दिशा में काम किया जा सकता है, जो किसी बीमारी के कारण दृष्टिहीन हो चुके हैं। हालांकि इन संभावनाओं को व्यापक चिकित्सा उपचार में बदलने में अभी समय लगेगा, लेकिन उम्मीद का यह रास्ता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। इस खोज की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी शुरूआत एक छोटे से हरे शैवाल में मौजूद प्रकाश-संवेदनशील प्रोटीन को समझने से हुई थी। उस समय शायद यह कल्पना भी कठिन रही होगी कि इसका अध्ययन आगे चलकर मानव मस्तिष्क के रहस्यों को समझने का प्रभावी साधन बन सकता है। यही बुनियादी वैज्ञानिक शोध की असली ताकत है- किसी छोटे सवाल का उत्तर खोजते-खोजते विज्ञान कभी-कभी मानवता के सामने नई संभावनाओं की पूरी दुनिया खोल देता है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित यह खोज मस्तिष्क विज्ञान के लिए एक नया अध्याय है। इसका लाभ आम आदमी तक पहुंचने में अभी समय लग सकता है, लेकिन न्यूरॉन्स को प्रकाश के जरिए समझने और नियंत्रित करने की क्षमता ने चिकित्सा विज्ञान में नई उम्मीद जरूर जगाई है। आने वाले समय में यह उम्मीद कई गंभीर बीमारियों के उपचार का आधार बन सके, यही इस बड़ी दिमागी खोज की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

आज का इतिहास



- 1932 - भारतीय वायुसेना का गठन।
- 1996 - ओटावा में आयोजित सम्मेलन में लगभग 50 देश बारूदी सुरंगों पर विश्वव्यापी प्रतिबंध लगाने पर सहमत।
- 1998 - भारत 'फ़्लाइट सेफ़्टी फाउंडेशन' का सदस्य बना।
- 2000 - वोजोस्लाव कोस्तुनिका यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति बने, इस्त्रायल, फिलिस्तीन व संयुक्त राष्ट्र अमेरिका गाजा पट्टी समस्या हल के लिए त्रिपक्षीय संकट प्रबंधन दल के गठन पर सहमत।
- 2001 - इटली के मिलान हवाई अड्डे पर दो विमानों के आपस में टकरा जाने के बाद एक में आग लग गयी, जिससे 114 लोगों की मौत हो गई।
- 2002 - पाकिस्तान ने शाहीन मिसाइल का पुनः परीक्षण किया।
- 2003 - टोक्यो में आयोजित मिस इंटरनेशनल प्रतियोगिता में मिस वेनेजुएला गोजेदोर एजुआ ने खिताब पर कब्जा जमाया, 2003 का नोबेल शांति पुरस्कार ईरान की शिरीन इबादी को देने की घोषणा की गई।
- 2004 - भारतीय गेहूं पर मौनसेंटो का पेटेन्ट रद्द। शांति का नोबेल पुरस्कार केन्याई पर्यावरणविद वांगरी मथाई को।
- 2007 - बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री मोहम्मद नसीम को 13 साल कैद की सजा हुई।
- 1998 - दिव्या काकरन - भारत की फ्रीस्टाइल महिला पहलवान हैं।
- 1931 - पद्मनाभ बालकृष्ण आचार्य - भारतीय राजनीतिज्ञ हैं।
- 1844 - बदरुद्दीन तैयब जी- प्रसिद्ध वकील, न्यायाधीश और नेता
- 2020 - रामविलास पासवान - लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष व भारतीय दलित राजनीति के प्रमुख नेताओं में से एक थे।
- 2008 - केदार नाथ साहू - भारत के प्रसिद्ध लोक नृत्य कलाकार थे।
- 1990 - कमलापति त्रिपाठी - भारतीय राजनीतिज्ञ, लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी थे।
- 1979 - जयप्रकाश नारायण, संपूर्ण क्रांति के प्रणेता 1936 - प्रेमचंद, प्रसिद्ध हिन्दी कहानीकार और उपन्यासकार, (जन्म 1880)

25 वर्षों की नेतृत्व यात्रा

एक लंबी राजनीतिक यात्रा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। वहां से शुरू हुआ उनका सार्वजनिक जीवन का सफर 26 मई 2014 को भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा। अब इस यात्रा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसे केवल किसी एक नेता के राजनीतिक जीवन का कालखंड मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह भारत में राजनीति, विकास, तकनीक और शासन की बदलती प्राथमिकताओं का भी एक महत्वपूर्ण अध्याय है। 'सेवा, संकल्प और समर्पण' की भावना के साथ आगे बढ़ने का दावा करने वाली इस यात्रा ने समर्थकों के बीच एक अलग राजनीतिक पहचान बनाई है।

गुजरात से विकास का प्रयोग

मुख्यमंत्री के रूप में 2001 से 2014 तक नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में गुजरात में कई विकास परियोजनाओं और नीतिगत पहलों पर जोर दिया गया। भुज भूकंप के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण को गति दी गई। वर्ष 2003 में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरूआत हुई, जिसके माध्यम से राज्य को वैश्विक निवेश के केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास हुआ। गुजरात का विकास मॉडल राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चा का विषय बना और इसी पृष्ठभूमि ने आगे चलकर मोदी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को मजबूत आधार दिया।

केंद्र में बदली प्राथमिकताएं

2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद विकास, आधारभूत ढांचा, डिजिटल तकनीक, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया। जनधन योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन और पीएम-किसान जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। इन पहलों का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं को अधिक व्यापक और प्रत्यक्ष बनाना रहा।

डिजिटल भारत की रफ्तार

डिजिटल इंडिया और यूपीआई ने भारत में डिजिटल लेन-देन को नई गति दी। दूसरी ओर राजमार्गों, रेलवे, हवाई अड्डों और अन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार पर भी जोर बढ़ा। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से उत्पादन, निवेश और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की कोशिश की गई। इन पहलों ने अर्थव्यवस्था को तकनीक और डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नीतियों में बड़े बदलाव

मोदी सरकार के कार्यकाल में अनुच्छेद 370 हटाने, नई शिक्षा नीति, नए आपराधिक कानून और तीन तलाक के खिलाफ कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय हुए। इन फैसलों का देश की राजनीति और सामाजिक विमर्श पर व्यापक प्रभाव पड़ा। समर्थकों ने इन्हें बड़े संरचनात्मक बदलावों के रूप में देखा, जबकि इनके कई पहलुओं पर सार्वजनिक बहस भी हुई। इसी के साथ सरकार ने विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने की अवधारणा पर भी जोर दिया।

विरासत और महिला सशक्तीकरण

अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों के विकास को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास से जोड़ा गया। 'विकास के साथ विरासत' की यह अवधारणा सरकार की सार्वजनिक नीति और राजनीतिक संदेश का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', उज्ज्वला, मुद्रा, लखपति दीदी और स्वयं सहायता समूहों जैसी पहलों पर जोर दिया गया। महाराष्ट्र में 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना' और लड़कियों की उच्च शिक्षा से जुड़े निर्णयों ने भी इसी विमर्श को आगे बढ़ाया।

दुनिया में भारत की भूमिका

राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मोर्चे पर भी भारत ने अधिक मुखर भूमिका अपनाई। ब्रिक्स, वैश्विक दक्षिण, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल तकनीक और योग जैसे विषयों पर भारत ने अपनी प्राथमिकताओं को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढंग से रखने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी को लगभग 36 देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित किया जाना भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय सक्रियता के संदर्भ में उल्लेखनीय है। हालांकि किसी देश की वैश्विक प्रतिष्ठा का आकलन केवल पुरस्कारों से नहीं किया जा सकता, फिर भी ये सम्मान भारत की विदेश नीति की सक्रियता का एक संकेत हैं।

महाराष्ट्र को मिला निवेश

महाराष्ट्र के विकास के संदर्भ में भी पिछले 12 वर्षों को महत्वपूर्ण बताया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 के दौरान महाराष्ट्र को लगभग दो लाख करोड़ रुपए मिले, जबकि 2014 से 2024 के बीच यह राशि करीब 12 लाख करोड़ रुपए बताई गई है। रेलवे की वार्षिक बजटीय तरतूद भी 2009-14 के दौरान 1,171 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 23,926 करोड़ रुपए हो गई। अटल सेतु, समृद्धि महामार्ग, मुंबई कोस्टल रोड, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन और वाढवण बंदरगाह जैसी परियोजनाएं राज्य के परिवहन, व्यापार और औद्योगिक ढांचे को प्रभावित करने वाली बड़ी योजनाएं हैं।

महाराष्ट्र की अस्मिता

महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी इस अवधि में सामने आए। छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों का विश्व विरासत सूची में शामिल होना, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का विकास और मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा राज्य के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियां माने गए। विकास के साथ सांस्कृतिक पहचान को जोड़ने की नीति ने महाराष्ट्र सहित देश के कई हिस्सों में राजनीतिक और सामाजिक चर्चा को प्रभावित किया है।

संकटों में नेतृत्व की परीक्षा

किसी भी लंबे सार्वजनिक जीवन का मूल्यांकन केवल सामान्य परिस्थितियों में किए गए निर्णयों से नहीं होता। भूकंप, प्राकृतिक आपदाओं, महामारी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के दौरान प्रशासनिक समन्वय, त्वरित निर्णय और जनता से संवाद की क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली में संकट के समय त्वरित निर्णय लेने और प्रशासन को स्पष्ट दिशा देने पर जोर दिखाई देता है। ऐसे अवसरों पर लिए गए फैसलों के परिणामों पर बहस हो सकती है, लेकिन संकट प्रबंधन किसी भी सरकार के लिए नेतृत्व की महत्वपूर्ण कसौटी होता है।

आगे का लक्ष्य विकसित भारत

पिछले 25 वर्षों में पद और जिम्मेदारियां बदलती रहीं, लेकिन राष्ट्रसेवा और विकास का संकल्प राजनीतिक विमर्श में लगातार प्रमुख रहा। अब 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य सामने है। आर्थिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर और सुरक्षित भारत का निर्माण आसान लक्ष्य नहीं है। इसके लिए आर्थिक विकास के साथ रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समानता और संस्थागत मजबूती पर भी लगातार ध्यान देना होगा।

यात्रा से आगे की चुनौती

नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष की सार्वजनिक यात्रा का मूल्यांकन समर्थक और आलोचक अपने-अपने दृष्टिकोण से करते रहे हैं। लोकतंत्र में किसी भी लंबे राजनीतिक कार्यकाल की वास्तविक कसौटी यही होती है कि नीतियों और फैसलों का स्थायी प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर कितना पड़ता है। आने वाले वर्षों में 'विकसित भारत' का लक्ष्य इस नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगा। गुजरात से शुरू हुई यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां उपलब्धियों के साथ भविष्य की अपेक्षाएं भी उतनी ही बड़ी हैं। यही अगले चरण की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी होगी।

लोकसेवा आयोग की सफाई का समय

छात्रों का आक्रोश

● छात्रों के आंदोलन ने व्यवस्था की जवाबदेही का सवाल फिर सामने ला दिया है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



आज के विद्यार्थियों की चुनौतियां कम नहीं हैं। पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और भविष्य की अनिश्चितता के बीच भी वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का साहस दिखा रहे हैं। पुणे में महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से चल रहा छात्रों का आंदोलन इसी जागरूकता का प्रमाण है। जिस सरकारी व्यवस्था पर युवाओं के भविष्य का बड़ा हिस्सा निर्भर हो, उसके प्रति अविश्वास पैदा होना गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विद्यार्थियों का रोष केवल परीक्षा से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता से जुड़ा

सुधार की पहल

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आयोग में सुधारों के सुझाव देने के लिए प्रशासन विभाग की सचिव वी. राधा के नेतृत्व में समिति गठित की है। यह कदम बताता है कि सरकार भी आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों की गंभीरता समझती है। लेकिन केवल समिति बनाना पर्याप्त नहीं है। यदि किसी संस्था में लंबे समय से शिकायतें और विवाद सामने आ रहे हों, तो सुधार की इच्छा को ठोस कार्रवाई में बदलना जरूरी होता है। छात्रों के आंदोलन की तीव्रता को देखते हुए सरकार को यह भरोसा भी पैदा करना होगा कि सुधार केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेंगे।

जवाबदेही का सवाल

आंदोलनकारी विद्यार्थियों की प्रमुख मांग आयोग के प्रमुख विवेक भीमनवार के इस्तीफे की है। किसी सरकारी संस्था के शीर्ष अधिकारी के पद से हटने मात्र से उसकी सारी समस्याएं समाप्त नहीं हो जातीं, यह सच है। फिर भी जवाबदेही तय करने के लिए शीर्ष स्तर पर कार्रवाई का अपना महत्व होता है। इससे यह संदेश जाता है कि सरकार व्यवस्था में गड़बड़ी को लेकर गंभीर है और जिम्मेदारी तय करने से पीछे नहीं हटेगी। इसके विपरीत यदि छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई हो और शीर्ष नेतृत्व को बचाया जाता हुआ दिखाई दे, तो सरकार की नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

छोटे पर कार्रवाई, बड़े पर सवाल

लोकसेवा आयोग के सचिव महेंद्र हरपाळकर को पद से हटाने में सरकार ने तत्परता दिखाई, लेकिन आयोग के प्रमुख को लेकर वही कठोरता दिखाई नहीं देती। यही विरोधाभास वर्तमान विवाद को और गंभीर बनाता है। प्रशासन में यह धारणा लंबे समय से रही है कि किसी मामले में निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी जाती है, जबकि शीर्ष स्तर की जवाबदेही तय करने से बचा जाता है। यदि आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं, तो जिम्मेदारी का दायरा भी उसी अनुपात में व्यापक होना चाहिए।

तकनीकी अड़चन या राजनीतिक इच्छाशक्ति

सरकार की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है कि महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग का पद स्वायत्त और अर्ध-संवैधानिक है तथा मुख्यमंत्री सीधे उसके प्रमुख का इस्तीफा नहीं ले सकते। तकनीकी और कानूनी दृष्टि से यह तर्क अपनी जगह हो सकता है, लेकिन किसी संस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होने के बाद केवल तकनीकी प्रावधानों की आड़ लेना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि सरकार उपलब्ध संवैधानिक और कानूनी रास्तों का इस्तेमाल करने की इच्छाशक्ति दिखाती है या नहीं।

इतिहास से मिलती मिसाल

यह कहना भी पूरी तरह सही नहीं होगा कि आयोग के प्रमुख को पद से हटाने की कोई व्यवस्था ही नहीं है। महाराष्ट्र के इतिहास में ऐसे उदाहरण मौजूद हैं। वर्ष 1999 में पुलिस उपनिरीक्षक और अन्य भर्तियों में बड़े घोटाले का मामला सामने आया था। तत्कालीन आयोग प्रमुख शशिकांत कर्णिक के मामले में गंभीर कार्रवाई हुई और कई लोगों को सजा भी हुई। बाद में आयोग की सदस्य सायली जोशी को भी पद से हटाने का निर्णय राज्य सरकार को लेना पड़ा। इससे स्पष्ट है कि असाधारण परिस्थितियों में आयोग के पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के रास्ते मौजूद रहे हैं।

कर्नाटक की मिसाल

पड़ोसी कर्नाटक का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। वहां पिछले महीने आयोग के प्रमुख को राज्यपाल ने मंत्रिमंडल की सलाह पर पद से हटाया। इसका अर्थ यह है कि संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए ऐसी कार्रवाई संभव है। महाराष्ट्र में भी मंत्रिपरिषद के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर उसे राज्यपाल के पास भेजने का रास्ता मौजूद है। इसलिए वास्तविक प्रश्न अधिकार का कम और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अधिक है। सरकार चाहे तो कानून और संविधान के दायरे में रहकर निर्णय ले सकती है।

सुधार केवल समिति से नहीं

लोकसेवा आयोग में आमूलचूल सुधार की बात लंबे समय से होती रही है। लेकिन सुधार की घोषणा और सुधार की वास्तविक प्रक्रिया में अंतर होता है। जांच समितियां, रिपोर्ट और सिफारिशें तभी उपयोगी हैं, जब उनके आधार पर समयबद्ध कार्रवाई हो। केवल जांच समितियां गठित करने से व्यवस्था में विश्वास वापस नहीं आता। छात्रों को यह भरोसा चाहिए कि उनकी मेहनत, परीक्षा और भविष्य किसी प्रशासनिक लापरवाही या विवाद की भेंट नहीं चढ़ेगा।

पुरानी गलती सुधारने का अवसर

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग से जुड़े विवादों का एक पुराना इतिहास भी है। 1990 के दशक में सामने आया भर्ती घोटाला बताता है कि आयोग की विश्वसनीयता का प्रश्न नया नहीं है। आज सरकार के सामने अवसर है कि वह अतीत की गलतियों से सबक लेते हुए ऐसी व्यवस्था तैयार करे जिसमें परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी हो, निर्णयों की जवाबदेही तय हो और विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत हो। राजनीतिक दल और सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन संस्थाओं की विश्वसनीयता बनी रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थायी जरूरत है।

अब कार्रवाई का समय

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग केवल एक सरकारी संस्था नहीं है। यह लाखों युवाओं के सपनों और उनके भविष्य से जुड़ी व्यवस्था है। इसलिए इसकी विश्वसनीयता पर उठने वाला प्रत्येक सवाल गंभीरता से लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सुधार की इच्छा दिखाई है तो अब उसे ठोस कार्रवाई में बदलने की जरूरत है। छात्रों के आंदोलन को केवल दबाव या असंतोष के रूप में देखने के बजाय उसे व्यवस्था में सुधार की मांग के रूप में समझना चाहिए। आयोग की सफाई के लिए जो भी संवैधानिक और कानूनी रास्ता उपलब्ध हो, उसका निष्पक्ष इस्तेमाल होना चाहिए।

प्रेरक प्रसंग

गजराज और मूषकराज



प्राचीन समय में एक नगर नदी के किनारे बसा था। भारी वर्षा के बाद नदी ने अपना रास्ता बदल लिया और नगर वीरान हो गया। वहां बड़ी संख्या में चूहे रहने लगे। उनका राजा मूषकराज था। नगर के बाहर एक जलाशय भी बन गया था। उसी समय पास के जंगल में भयंकर सूखा पड़ा। पानी के अभाव में हाथियों का जीवन संकट में पड़ गया। उनके राजा गजराज को एक चील ने बताया कि खंडहर नगर के पास जलाशय है। गजराज सैकड़ों हाथियों के साथ वहां जाने लगा। जलाशय तक पहुंचने के लिए हाथियों को चूहों के नगर से होकर गुजरना पड़ता था। उनके भारी पैरों तले हजारों चूहे कुचले जाने लगे। मूषकराज ने गजराज से मिलने का फैसला किया। उसने हाथियों के राजा से कहा, आपके पैरों तले रोज हजारों चूहे मारे जा रहे हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो हमारा पूरा वंश समाप्त हो जाएगा। गजराज को यह सुनकर बहुत दुख हुआ। उसने कहा, हमें पता नहीं था कि हमारे कारण इतना अनर्थ हो रहा है। हम दूसरा रास्ता तलाश करेंगे। मूषकराज ने धन्यवाद देते हुए कहा, कभी हमारी जरूरत पड़े तो हमें याद जरूर कीजिएगा। गजराज मुस्कुराया। उसे विश्वास नहीं था कि इतना छोटा जीव कभी उसके काम आ सकता है। कुछ समय बाद पड़ोसी राजा ने हाथियों को पकड़ने के लिए जंगल में शिकारी भेजे। जगह-जगह जाल बिछाए गए और कई हाथी पकड़े गए। एक रात गजराज का पैर भी रस्सी के फंदे में फंस गया। उसने बहुत प्रयास किया, लेकिन आजाद नहीं हो सका। तभी एक युवा जंगली भैंसा वहां पहुंचा। वह बचपन में गजराज द्वारा बचाया गया था। गजराज ने उससे कहा, तुम तुरंत खंडहर नगर जाओ और मूषकराज को मेरी परेशानी बताओ।

- भैंसा दौड़कर मूषकराज के पास पहुंचा। मूषकराज तुरंत अपने सैनिक चूहों के साथ गजराज के पास पहुंचा। चूहों ने फंदे की रस्सी को अपने तेज दांतों से कुतरना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में रस्सी कट गई और गजराज आजाद हो गया।
- गजराज ने मूषकराज को कृतज्ञता से देखा। उसे समझ आ गया कि छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। जरूरत के समय सच्ची मित्रता और आपसी सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत बनते हैं। सीख : आपसी सद्भाव, प्रेम और सहयोग से एक-दूसरे के बड़े से बड़े कष्ट दूर किए जा सकते हैं।

राशिफल

मेष- कार्यक्षेत्र में नया दायित्व मिल सकता है, तत्पर रहें। व्यापार में तेजी आएगी, ग्राहकों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक वातावरण प्रेमपूर्ण रहेगा। आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। ऊर्जा अच्छी रहेगी, योग-प्राणायाम करें। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

वृषभ-कार्यस्थल पर नई शुरूआत हो सकती है, धैर्य रखें। व्यापार में साझेदारी लाभदायक सिद्ध होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। वित्तीय लाभ के योग बन रहे हैं। सेहत अच्छी रहेगी, सुपाच्य भोजन लें। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी।

मिथुन- आपकी बुद्धि और चातुर्य से कठिन काम आसान होंगे। व्यापार में नई योजनाएं लागू करने का सही समय है। पारिवारिक रिश्तों में घनिष्ठता आएगी। अचानक रुका पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति सुधरेगी। मानसिक ताजगी बनी रहेगी।

कर्क- कार्यक्षेत्र में आपकी लगन की सराहना होगी। व्यापारिक सौदों में सावधानीपूर्वक कदम बढ़ाएं। परिवार के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, विश्राम भी जरूरी है। दु:खद समाचार मिल सकता है।

सिंह- करियर में अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका मिलेगा। व्यापार में नए लोगों से जुड़ाव लाभदायक रहेगा। प्रेम संबंधों में नया मोड़ आ सकता है। आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, ऊर्जा बनी रहेगी।

कन्या- कार्यस्थल पर समय का प्रबंधन बेहद जरूरी होगा। व्यापार में जल्दबाजी का कोई भी फैसला न लें। परिवार में किसी मुद्दे पर गहराई से विचार होगा। आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लें। थकान महसूस हो सकती है, आराम करें।

तुला-नौकरी में पद और प्रभाव बढ़ने की संभावना है। व्यापारिक रणनीतियां सफल होंगी, मुनाफा होगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। धन लाभ होगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सेहत अच्छी रहेगी, प्रसन्न रहें। भेंट आदि की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक- कार्यस्थल पर आपकी पकड़ मजबूत होगी। व्यापार में प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने में सफल रहेंगे। परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। धन संबंधी मामलों में दिन अनुकूल है। तनाव से दूर रहें, मानसिक शांति रहेगी। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें।

धनु- नई योजना की शुरूआत के लिए दिन उत्तम है। व्यापार में अटके काम गति पकड़ेंगे। संतान पक्ष से सकारात्मक समाचार मिलेगा। आय के नए साधन मिलने की संभावना है। उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

मकर- कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, शांत रहें। व्यापार में लिखापढ़ी में सावधानी रखें। परिवार में समस्याओं का हल मिलकर निकालेंगे। अनावश्यक व्यय पर रोक लगाएं। शरीर में थकान महसूस हो सकती है। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ- बुद्धिमत्ता से जटिल समस्याएं हल कर लेंगे। व्यापार में नए अनुबंध पर बात बन सकती है। मित्रों के साथ बेहतरीन समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के योग हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, स्फूर्ति रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

मीन-आपकी वाणी का प्रभाव कार्यस्थल पर दिखेगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, प्रयास बढ़ाएं। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनेगी। धन बचाने का प्रयास सफल रहेगा। मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

राहुल को फिर से लॉन्च करने की एक और कोशिश

भाजपा का 'इंडिया' गठबंधन के मार्च पर तंज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भाजपा ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के मार्च की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा अराजकता पैदा करने और राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने का एक और प्रयास था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने गांधी की आलोचना की और उन पर उच्चतम न्यायालय को गलत तरीके से उद्धृत करके 'भ्रम' फैलाने और 'अपनी राजनीति को बढ़ावा देने' की कोशिश करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी देश में भ्रम का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे

उच्चतम न्यायालय में सोमवार को हुई एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई का हवाला देते हुए पात्रा ने कहा कि अदालत ने यह नहीं कहा कि फॉर्म-छह अवैध था। इससे पहले, गांधी ने 'एक्स' पर दावा किया था कि अब यह संदेह से परे स्थापित हो चुका है कि सीईसी ने फॉर्म-छह को 'अवैध रूप से और एकतरफा' बदल दिया। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए लोग फॉर्म-6 का इस्तेमाल करते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। उसने सिर्फ नोटिस जारी किए हैं। अभी तक सुनवाई भी नहीं हुई है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा है कि जब सुनवाई होगी, तब मामले की जांच की जाएगी। फिर भी, राहुल गांधी देश में अराजकता, झूठ, छल और भ्रम का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी न्यायालय का हवाला देकर 'अपनी राजनीति को बढ़ावा देने' की कोशिश कर रहे हैं और उसका गलत उद्धरण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार-बार हर संभव तरीके से राहुल गांधी को लॉन्च और फिर से लॉन्च करने की कोशिश करती रही है। जब, कई प्रयासों के बावजूद, वह अपनी पकड़ बनाने में विफल रहे, तो कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगियों ने तय किया कि भले ही इसके लिए अराजकता का सहारा लेना पड़े और देश के लोकतंत्र को कमजोर करना पड़े, वे किसी भी कीमत पर राहुल गांधी को राजनीतिक रूप से लॉन्च करेंगे। पात्रा ने कहा कि इन प्रयासों के तहत, उन्होंने समय-समय पर भारतीय सेना, उच्चतम न्यायालय, हिंदुओं और ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों) पर हमला किया। और पिछले कुछ हफ्तों से, वह निर्वाचन आयोग पर हमला कर रहे हैं।



राहुल गांधी पर एसआईआर मुद्दे को लेकर डीएमके ने लिया यू-टर्न

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन हमलावर है। राहुल गांधी के नेतृत्व में लगातार दूसरे दिन राजधानी दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने चुनाव आयोग की बिल्डिंग के पास धरना प्रदर्शन किया और फिर आकाशवाणी भवन में राहुल-प्रियंका कई घंटों तक धरने पर बैठ गए। इंडिया अलायंस में यूं तो सभी दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया, लेकिन आम आदमी पार्टी और डीएमके इसमें शामिल नहीं रही। डीएमके तमिलनाडु चुनाव में कांग्रेस के टीवीके के साथ जाने के बाद से उससे नाराज है और इंडिया गठबंधन की बैठकों में शामिल भी नहीं होती। उसने बीते दिन तमिलनाडु में एसआईआर मुद्दे को लेकर राहुल गांधी पर सवाल उठाए थे, लेकिन अब यू-टर्न लिया है।

■ डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार जो इतने बड़े पद पर हैं एंटी-डेमोक्रेटिक हैं, तो चुनाव कैसे फेयर हो सकते हैं? उन्हें जरूर हटा देना चाहिए। सरकार के गलत कामों के खिलाफ लड़ना नागरिकों का अधिकार है और राहुल गांधी ने कल यही किया। यह सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रोटेस्ट करें। उन्होंने यह बात डीएमके के राहुल गांधी की आलोचना करने और तमिलनाडु में कथित वोटर डिलीट होने पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाने के एक दिन बाद कही। इससे पहले, मंगलवार को एक्स पर डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने तमिलनाडु में एसआईआर प्रोसेस के जरिए वोट डिलीट को लेकर राहुल गांधी पर सवाल उठाए थे। आरोप लगाया था और पूछा कि तमिलनाडु के विकास पर उतना ध्यान क्यों नहीं दिया गया जितना चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े कैंपेन पर दिया गया। डीएमके का दावा है कि चुनाव आयोग की SIR प्रक्रिया के दौरान तमिलनाडु की वोटर लिस्ट से लाखों वोटर्स को हटा दिया गया। अन्नादुरई ने राहुल गांधी पर सीधे निशाना साधते हुए उनसे कहा डरो मत और सवाल उठाया कि कांग्रेस नेता ने बिहार में चुनाव चोरी होने का आरोप लगाया था, लेकिन तमिलनाडु में सामने आए घटनाक्रम पर वह चुप हैं। अन्नादुरई ने दावा किया कि विशेष रूप से जिन 135 विधानसभा क्षेत्रों में 20,000 से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए, उनमें से 84 सीट पर टीवीके ने जीत दर्ज की।

ज्ञानेश कुमार नहीं देंगे इस्तीफा, कुछ कर लो: रामदास आठवले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अभिजीत दीपके 10 अक्टूबर से दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच NDA सरकार में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रयास करने के बाद भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होगा। साथ ही उन्होंने चेताया है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल जारी रहा, तो उनकी पार्टी आंदोलन करेगी। फिलहाल, इस पर अभिजीत दीपके की प्रतिक्रिया नहीं आई है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन की जरूरत नहीं है। अभिजीत दीपके महाराष्ट्र से आते हैं, दलित समाज से आते हैं, बौद्ध समाज से वह हैं। उन्होंने अभी मुंबई में भी विरोध प्रदर्शन किया था। लेकिन मेरी उनको सलाह यही है कि NEET के पेपर लीक के मामले में आपकी पार्टी खड़ी हुई थी, तो अभी दोबारा ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए आंदोलन करने की जरूरत नहीं थी।

कहा- ज्ञानेश कुमार की गलती नहीं है

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी वाले कितना भी आंदोलन करें, लेकिन ज्ञानेश कुमार जी इस्तीफा देंगे नहीं। क्योंकि उसमें उनकी कोई गलती नहीं है। उनका काम है कि जो गलत मतदाता हैं, उनको हटाना है। जो लोग गांव छोड़कर, एक राज्य छोड़कर दूसरे राज्यों में नौकरी में गए हैं, ऐसे अनेक लोग हैं। ऐसे में उनका नाम वहां रखने का क्या फायदा है। उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 तारीख को जो आंदोलन की घोषणा की है, उसे शांति से करें, लेकिन ज्ञानेश कुमार जी इस्तीफा नहीं देंगे। लिस्ट ठीक बनाने के लिए ज्ञानेश कुमार जी तैयार हैं। इसलिए आंदोलन बंद करना चाहिए, ऐसा मेरा उनको सलाह है।

भाजपा की बी टी के दावे पर भी बोले



इस दौरान उन्होंने सीजेपी के भाजपा की बी टीम होने के दावे पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि और भी अनेक विषय है, उसपर काम करना चाहिए। राजनीति में आकर ऐसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है। और जिस तरह उनपर आरोप हैं कि वो भाजपा की बी टीम हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह भाजपा की बी टीम का विषय नहीं है।

अरविंद केजरीवाल का किया जिक्र

आठवले ने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी के साथ वह रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के साथ सोशल मीडिया पर उन्होंने काम किया है। उन्होंने जो 10 तारीख को जो आंदोलन का ऐलान किया है, मुझे लगता है कि आंदोलन की जरूरत नहीं है। क्योंकि कितनी भी कोशिश कर लें, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा देंगे नहीं। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन जरूरत चुनाव पारदर्शी कराने के लिए, लिस्ट ठीक करने के लिए और अगर विशेषाधिकार छिना होगा तो उसे दोबारा देने के लिए ज्ञानेश कुमार जी तैयार हैं। ऐसे में उनका इस्तीफा मांगने का कोई अर्थ नहीं है।

आंदोलन की चेतावनी

आठवले ने सीजेपी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सही भाषा का इस्तेमाल करने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि हमारे अभिजीत दीपके जी जो हैं। उनको मेरा अनुरोध है कि वह नौजवान हैं, ऐक्टिव हैं, लेकिन प्रधानमंत्री जी के बारे में गलत टिप्पणी करना गलत है। उन्हें अच्छी भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। नहीं तो रिपब्लिकन पार्टी उनके विरोध में भी आंदोलन कर सकती है।

NDA में आने का दे चुके हैं ऑफर

खास बात है कि आठवले इससे पहले दीपके को ठऊअ में आने का भी ऑफर दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए दीपके को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो जाना चाहिए। हालांकि, सीजेपी फाउंडर ने इनकार कर दिया था।

सनातन की शक्ति है, मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकते: हिमंत शर्मा

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में जब तक 'सनातन की शक्ति' मौजूद है, तब तक वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'बाल भी बांका' नहीं कर सकते। वाराणसी में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से काशी पहुंचे सेवा यात्रियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी तुम सुन लो, जब तक भारत में सनातन की शक्ति है तुम नरेन्द्र मोदी जी का बाल भी बांका नहीं कर सकते हो। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की सत्ता संभालने से पहले हिंदू समाज ने यह सोचना बंद कर दिया था कि अयोध्या में कभी बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर बनेगा।

■ उन्होंने कहा कि लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने बाबर को भगाया और राम मंदिर का निर्माण किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे देश में बाबर और औरंगजेब अगर मिट्टी के नीचे छुपे हुए हैं तो इसका कारण नरेन्द्र मोदी ही हैं। हमें उनके नेतृत्व को लेकर आगे बढ़ना है। मोदी के



निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर जनसेवा के 25 वर्ष पूरा होने के अवसर पर निकाली गयी 'सेवा संकल्प' बाइक रैली के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह रैली वाराणसी से गुजरात के वडनगर और फिर वापस वाराणसी तक निकाली गई थी। असम के मुख्यमंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देश में उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद समाप्त हुआ है और देश में शांति आई है। शर्मा ने कहा कि एक समय था जब संसद पर भी हमला हुआ था।

■ पाकिस्तान से आतंकवादी हमारे देश में घुसकर संसद पर हमला करते थे। लेकिन आज पाकिस्तान भारत में नहीं आता, भारत पाकिस्तान में घुसकर उसे तबाह करता है। यही हमारा नेतृत्व है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अगले 50 वर्षों तक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात और असम में सत्ता में बनी रहेगी। शर्मा ने मोदी के नेतृत्व में भाजपा के पिछले दो दशकों के विस्तार और उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

यूपी में SIR के बाद छूटे नामों को वोटर लिस्ट में जोड़ने के लिए चलेगा अभियान

घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे बीएलओ

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के बाद भी यदि किसी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूट गया है तो उसे जोड़ने के लिए प्रदेश में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसमें बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पुरानी और मौजूदा मतदाता सूची का मिलान कर छूटे मतदाताओं को चिह्नित करेंगे और घर-घर जाकर उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन करेंगे। वहीं, पहली बार मतदान करने वाले युवाओं और अन्य पात्र नागरिकों से फार्म-6 भरवाकर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में अभियान की रूपरेखा साझा की और उनसे सुझाव व सक्रिय सहयोग मांगा। कहा कि मतदाता पंजीकरण सतत प्रक्रिया है और कोई भी पात्र नागरिक किसी भी समय मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभियान के तहत बीएलओ इस वर्ष 10 अप्रैल को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची का सात जनवरी 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची और उसकी पूरक सूचियों से मिलान करेंगे। पुरानी सूची में नाम होने के बावजूद वर्तमान सूची में नाम नहीं मिलने वाले मतदाताओं को चिह्नित किया जाएगा। इसके बाद बीएलओ घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति की जानकारी जुटाएंगे।

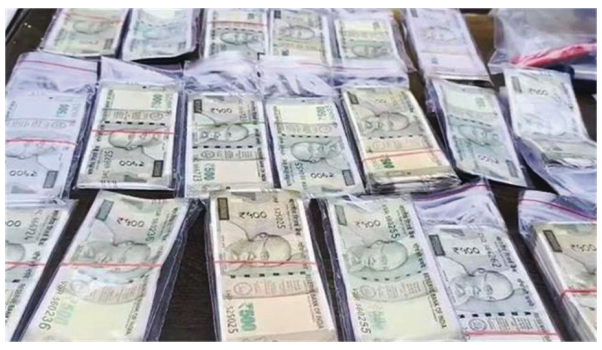
बूथ स्तर पर लगाए जाएंगे विशेष शिविर



चिह्नित मतदाताओं की सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ साझा की जाएगी। बूथ स्तर पर तैयार सूची को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराएंगे, ताकि छूटे हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल कराने का एक और अवसर मिल सके। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए बूथ स्तर पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। रात्रि आश्रयों, लेबर कालोनियों, आश्रयहीन तथा मुख्यधारा से वंचित लोगों को अभियान में विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। शिक्षण संस्थानों, स्वीप गतिविधियों, स्थानीय जनसंपर्क और नियमित प्रेस ब्रीफिंग के जरिए भी व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अभियान की नियमित समीक्षा और निगरानी करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव-2027 के मद्देनजर एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए भारत निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया गया है। बैठक में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, अपना दल (एस), सीपीआई (एम), के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दिल्ली में जाली नोट गिरोह का भंडाफोड़

10.50 लाख रुपए के संदिग्ध नकली नोटों के साथ 4 लोग गिरफ्तार



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली के रोहिणी जिले में पुलिस ने जाली नोटों की आपूर्ति करने और उन्हें बाजार में खपाने वाले कथित गिरोह का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है तथा करीब 10.50 लाख रुपए के संदिग्ध नकली नोट बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के जयपुर निवासी 56 वर्षीय पुष्कर राज पुरबिया उर्फ 'डॉक्टर', राजस्थान के बाड़मेर निवासी 22 वर्षीय गोसाई राम, हरियाणा के सोनीपत निवासी 28 वर्षीय साहिल खरब और राजस्थान के चूरू जिले के निवासी 31 वर्षीय नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है।

■ पुलिस के अनुसार 30 सितंबर को प्रशांत विहार थाना क्षेत्र में जापानी पार्क के पास छापेमारी कर पुष्कर राज पुरबिया, गोसाई राम और साहिल खरब को पकड़ा गया और उनके पास से 500 रुपए मूल्यवर्ग के संदिग्ध नकली नोट और नकली नोट तैयार करने में कथित तौर पर इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री बरामद हुई। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में एक अक्टूबर को प्रशांत विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त (DCP) शशांक जायसवाल ने बताया कि इसके बाद पूछताछ और तकनीकी निगरानी के आधार पर नरेंद्र कुमार को राजस्थान के चूरू से गिरफ्तार किया गया।

■ उन्होंने बताया कि आरोपियों से जुड़े परिसरों की तलाशी में प्रिंटिंग उपकरण, डिजिटल उपकरण, प्रिंटिंग सामग्री और अन्य सामान बरामद हुआ, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर नकली नोट तैयार करने और छापने में किया जाता था। DCP के अनुसार अभियान और बाद की जांच के दौरान 500 रुपये मूल्यवर्ग के संदिग्ध नकली नोटों की 21 गड्डियां बरामद हुईं, जिनकी कुल कीमत करीब 10 .50 लाख रुपए है।

■ पुलिस ने बताया कि पुरबिया प्रॉपर्टी डीलर था और कथित तौर पर नकली नोटों की तैयारी तथा प्रसार के लिए अन्य आरोपियों के साथ समन्वय करता था जबकि गोसाई राम पर सामग्री जुटाने और ऑनलाइन स्रोतों तथा सोशल मीडिया के जरिए नकली नोट तैयार करने की प्रक्रिया सीखने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि साहिल खरब पर सामग्री जुटाने, सोनीपत में परिसर की व्यवस्था करने तथा नकली नोटों की तैयारी और प्रसार में कथित तौर पर मदद करने का आरोप है। नरेंद्र कुमार पर पुष्कर राज पुरबिया और गोसाई राम के संपर्क में होने तथा सामग्री जुटाने में मदद करने का संदेह है।

■ पुलिस ने बताया कि बरामद सामान में दो कलर प्रिंटर, पेपर-कटिंग मशीन, दो लैपटॉप, नोट गिनने की मशीन, स्क्रीन-प्रिंटिंग सामग्री, एक डेस्कटॉप कंप्यूटर, दो मॉनिटर, एक सीपीयू और उच्च सुरक्षा विशेषताओं वाले खाली सुरक्षा कागज शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पूरे गिरोह, नकली नोटों के स्रोत और गंतव्य तथा गिरोह में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पटना की दोनों विधान परिषद सीटें जीतेगी जन सुराज पार्टी- प्रशांत किशोर

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष प्रशांत किशोर ने बुधवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधान परिषद चुनाव में पटना स्नातक और पटना शिक्षक, दोनों सीटों पर जीत दर्ज करेगी। नवादा में पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जेएसपी प्रत्याशी अनुज सिंह और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार दिव्या ज्योति के समर्थन में प्रचार करते हुए किशोर ने कहा कि जन सुराज की जीत से बिहार के निर्वाचित प्रतिनिधियों को स्पष्ट संदेश जाएगा कि मतदाता उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें जवाबदेह ठहरा सकते हैं।



■ किशोर ने दावा किया कि जेएसपी पटना की दोनों सीटें जीतेगी। उन्होंने मतदाताओं से राज्य में बदलाव की 'हवा' को मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि परिषद चुनाव में राज्य के 'सबसे शिक्षित मतदाता' मतदान करते हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वे 10,000 रुपए के लिए अपने वोट नहीं बेचेंगे। उन्होंने बदलाव के लिए मतदान करने, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हटाने, शिक्षकों को बेहतर वेतन और सम्मान देने तथा स्नातकों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की अपील की।

■ बांकीपुर के विधायक किशोर ने कहा कि बिहार में बदलाव की शुरुआत बांकीपुर से हुई है और उसे मजबूत करना मतदाताओं की जिम्मेदारी है। जेएसपी सभी आठ विधान परिषद सीटों पर चुनाव लड़ रही है। नामांकन पत्रों की जांच शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार नौ अक्टूबर तक नाम वापस ले सकते हैं। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।

प्रेमानंद महाराज की किडनी की सरकारी जांच चाहते हैं आशुतोष ब्रह्मचारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण के 25 सितंबर को आत्महत्या करने के बाद से विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तबसे कई परिवार वृंदावन आकर अपने बच्चों के लापता होने की शिकायत कर रहे हैं। इन विवादों के बीच अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और माता शाकुम्भरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज भी सामने आ गए हैं। उन्होंने डीएम को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष तहकीकात और प्रेमानंद महाराज की किडनी की सरकारी चिकित्सकीय जांच कराने की मांग की है। आशुतोष ब्रह्मचारी का दावा है कि उन्होंने 3 जुलाई 2024 को ही तत्कालीन जिलाधिकारी को पत्र भेजकर प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनियों की सरकारी अस्पताल में चिकित्सकीय जांच कराने और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की थी। उधर, विराट कोहली के प्रवक्ता ने दिनेश फलहारी के उस बयान को झूठा और निराधार बताया है, जिसमें आरोप लगाया था कि क्रिकेटर विराट कोहली पांच करोड़ रुपये लेकर प्रेमानंद महाराज के आश्रम में आए थे। विराट कोहली के प्रवक्ता द्वारा मंगलवार को जारी किया बयान में कहा है कि यह दावा पूरी तरह झूठा, निराधार और तथ्यों के विपरीत है। कहा है कि विराट कोहली प्रेमानंद महाराज के पास केवल अपनी गहरी आस्था और श्रद्धा के कारण जाते हैं। कोहली के प्रवक्ता ने मीडिया से आग्रह किया है कि ऐसे बयानों को प्रकाशित या प्रचारित करने से पहले पूरी सावधानी बरतें, तथ्यों का सत्यापन करें और जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करें।



प्रेमानंद महाराज सिद्ध साधक लेकिन...

उधर, चतु:सम्प्रदाय वैष्णव परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत फूलडोल बिहारी दास महाराज ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि संत प्रेमानंद के शिष्य परिकर में गुटबाजी के कारण तमाम विवाद खड़े हो रहे हैं। संत प्रेमानंद को इस पर तत्काल अंकुश लगाना चाहिए। फूलडोल बिहारी दास महाराज ने कहा कि संत प्रेमानंद वास्तव में सिद्ध साधक हैं लेकिन उनके शिष्य और अनुयायी लोगों के साथ गलत व्यवहार करते हैं। उन्होंने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज को अपना चित्त भजन में लगाना चाहिए। वहीं, प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की मौत के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। कई टीमें लगातार जांच में जुटी हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) राजीव कुमार ने बताया कि रसिक दुलारी शरण के रिश्तेदारों, दोस्तों व करीबियों से पूछताछ कर तथ्य जुटाए जा रहे हैं।

शुवालकुछी में मेगा हैंडलूम क्लस्टर के तहत शिल्पिनियों को मंत्री विश्वजीत दैमारी द्वारा उन्नत हैंडलूम व आधुनिक उपकरण वितरित

पंकज नाथ @ असम

असम सरकार के हस्ततांत, वस्त्र और रेशम उद्योग मंत्री विश्वजीत दैमारी ने मंगलवार को असम के कामरूप जिले स्थित पारंपरिक वस्त्र नगरी शुवालकुछी के बाथान भाटिचुबा सार्वजनिक खेल मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में शिल्पिनियों को उन्नत गुणवत्ता वाले उरामाकों (हैंडलूम) तथा आधुनिक हस्ततांत उपकरणों का औपचारिक वितरण किया। यह वितरण भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से 'राष्ट्रीय हस्ततांत विकास कार्यक्रम' (NHDP) के तहत लागू 'मेगा हैंडलूम क्लस्टर' परियोजना के हिस्से के रूप में किया गया। समारोह में हाजो-शुवालकुछी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश चंद्र दास, हस्ततांत व वस्त्र संचालनालय की संचालक मयूरी ओजा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी हेमंत चौधुरी, कामरूप के अतिरिक्त आयुक्त गीताश्री लाचित, गुवाहाटी के शिल्पिनी सेवा केन्द्र की निदेशिका विशेष नटियाल, शुवालकुछी जिला परिषद सदस्य धीरज मोहंत, अतिरिक्त संचालक रणजीत डेका,



सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक नीरेंद्र नाथ राना पाटगिरी सहित स्थानीय गणमान्य और सैकड़ों से भी अधिक शिल्पिनियां उपस्थित रहीं। मंत्री ने कहा कि शुवालकुछी की शिल्पिनियों की पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक से जोड़कर हस्ततांत क्षेत्र को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाना इस मेगा परियोजना का लक्ष्य है। केंद्र व राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से लगभग 32.41 करोड़ के बजट में यह परियोजना प्रारंभ की गई है। इसके तहत क्षेत्र के 5 ग्राम पंचायतों के 68 गांवों की कुल 4,266 लक्षित शिल्पिनियों को 100% कवरेज के साथ प्रत्येक को एक-एक उन्नत हैंडलूम प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना में लोकनिर्माण विभाग की सहयोगिता से 4 कमन प्रोसेसिंग सेंटर (CPC), आधुनिक डाई हाउस, वस्त्र निर्माण यूनिट, तीन-हॉल वाली कम्प्यूटरीकृत डिजाइन स्टूडियो (CATD), विक्रय केंद्र, डिजिटल कार्ड-पंचिंग, आधुनिक सूत रंग केंद्र और 150 सीटों का आवासीय प्रबंध शामिल है। साथ ही स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में ले जाने के लिए 'हस्ततांत शॉपिंग प्लाजा' और ई-मार्केटिंग व्यवस्था स्थापित की जाएगी। मंत्री ने उम्मीद जताई कि परियोजना के सफल क्रियान्वयन से शुवालकुछी में अभूतपूर्व आर्थिक परिवर्तन आएगा; शिल्पिनियों की दैनिक औसत आय वर्तमान की तुलना में दोगुनी होने की संभावना है तथा वार्षिक कार्यदिवस 225 से बढ़कर 305 दिन तक पहुंचने से शिल्पिनी समुदाय की स्थायी आजीविका सुनिश्चित होगी। इससे असम के पारंपरिक पाट-मुगा व घरेलू वस्त्रों का अंतरराष्ट्रीय निर्यात भी बढ़ने की संभावनाएं प्रबल होंगी।

राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव दोनों अहंकार में डूबे

इंडिया ब्लॉक मार्च के बाद बीजेपी का वार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ



मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के मार्च के बाद बीजेपी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। बीजेपी ने दोनों नेताओं को अहंकारी बताया है। बीजेपी ने समाजवादी पार्टी पर इमरान मसूद के मुद्दे को लेकर भी निशाना साधा है। बीजेपी ने दोनों नेताओं पर निशाना साधते हुए उत्तर प्रदेश में दोनों दलों के बीच गठबंधन मुश्किल बताया। बीजेपी ने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों विरासत की राजनीति से आए हैं और दोनों ही अहंकार में हैं। बीजेपी का कहना है कि यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो पा रहा।बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के गठबंधन को ध्यान में रखते हुए ही दिल्ली में चुनाव आयोग के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। बीजेपी ने दावा किया है कि इस प्रदर्शन में भी राहुल गांधी और अखिलेश यादव अलग-अलग नजर आए। राकेश त्रिपाठी ने दोनों नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपना राग गा रहे हैं, जबकि राहुल गांधी अलग श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी ने इमरान मसूद के मुद्दे पर भी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। बीजेपी का कहना है कि इन घटनाओं से साफ है कि उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच गठबंधन की संभावनाएं कमजोर होती दिख रही हैं।

गठबंधन की मजबूरी या वोट बैंक का दबाव?

विशेषज्ञों के मुताबिक, सपा और कांग्रेस दोनों ही खुद को गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध दिखाना चाहते हैं। वे यह संदेश देना चाह रहे हैं कि दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह दोनों दलों का कैडर और वोट बैंक है, जो चाहता है कि दोनों पार्टियां मिलकर 2024 के लोकसभा चुनाव जैसा करिश्मा दोबारा दोहराएं। ऐसे माहौल में, यदि चुनाव नतीजे भाजपा के पक्ष में जाते हैं तो जिस भी दल की ओर से थोड़ी सी भी ढील दिखेगी, जनता हार का ठीकरा उसी के सिर फोड़ेगी। कोई भी सियासी पार्टी इस बदनामी का जोखिम नहीं लेना चाहती और यही मजबूरी दोनों को एक मंच पर बांधे हुए है। जानकारों की मानें तो अगर मतदाताओं का यह दबाव न होता, तो यह गठबंधन काफी पहले ही बिखर चुका होता।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा! ट्रक से भिड़ी आर्टिगा

टेनिस प्लेयर समेत 3 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ सुल्तानपुर



सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार भोर तेज रफ्तार अर्टिगा कार आगे चल रहे अज्ञात ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार एक अर्टिगा कार अज्ञात ट्रक में पीछे से जा टकराई। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को यूपीडा के सुरक्षाकर्मियों ने प्राथमिक उपचार के लिए कुमारगंज के अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें आगे रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ये हादसा धनपतगंज थाना क्षेत्र में स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 97.500 के पास का है। जानकारी के मुताबिक अर्टिगा कार में 6 लोग सवार थे और सभी लखनऊ से देवरिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार आगे चल रहे अज्ञात ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों में देवरिया जिले के 23 वर्षीय आनंद यादव, 22 वर्षीय राजू और पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के जमुनी निवासी 30 वर्षीय जयंतो शर्मा शामिल हैं।

लखनऊ में टेनिस खेलकर लौट रहे थे देवरिया

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। घायल जयंतो शर्मा के मुताबिक, वे सभी पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं और लखनऊ में खेलकर वापस देवरिया लौट रहे थे। सभी नींद में थे और हादसा कैसे हुआ, उन्हें खुद नहीं पता चल पाया। घटना बुधवार भोर की बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि कार में 6 लोग सवार थे। उनके साथ 22 वर्षीय नित्या प्रजापति, 20 वर्षीय इरफान अंसारी और 24 वर्षीय अनिकेत भी थे। सभी देवरिया के निवासी थे।

शॉर्ट स्टोरी

बिहार एमएलसी चुनाव से पहले पीके की अपील, 10 हजार में न बिकें

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर बिहार की सियासत में अपनी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। इस बीच उन्होंने दावा किया है कि बिहार विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में उनकी पार्टी पटना ग्रेजुएट और टीचर- दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों में शानदार जीत दर्ज करेगी।प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने नवादा पहुंचे थे। इस चुनाव में पटना ग्रेजुएट सीट से अनुज सिंह और पटना टीचर निर्वाचन क्षेत्र से दिव्या ज्योति जन सुराज के टिकट पर चुनावी मैदान में हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि इन दोनों सीटों पर जन सुराज की जीत से पूरे बिहार के जनप्रतिनिधियों को एक बड़ा संदेश जाएगा। इससे राजनेता ये समझ जाएंगे कि अब जनता उनके कामकाज के आधार पर उन्हें जवाबदेह बनाएगी। प्रशांत किशोर ने कहा, 'जन सुराज पार्टी पटना की दोनों सीटें जीतेगी। मैं मतदाताओं से अपील करता हूं कि वो राज्य में बदलाव की इस बयार को और मजबूत करें। विधान परिषद के इन चुनावों में राज्य के सबसे पढ़े-लिखे मतदाता वोट डालते हैं, और मुझे पूरा भरोसा है कि वो 10,000 रुपये के लालच में अपने वोट को नहीं बेचेंगे। 'प्रशांत किशोर ने मतदाताओं से बदलाव के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने टीचरों के बेहतर वेतन और उनके मान-सम्मान के साथ-साथ ग्रेजुएटों के लिए रोजगार के नए मौकों को अपनी पार्टी का असल एजेंडा बताया। बांकीपुर विधायक ने आगे कहा, 'बांकीपुर से शुरू हुए बदलाव को मजबूत करना उनकी जिम्मेदारी है। सम्राट चौधरी को बिहार से हटाने के लिए वोट करें।

आजमगढ़ में मौसम का कहर, ओलों और तूफानी बारिश से सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़



तेज आंधी के कारण जीयनपुर-बिलरियागंज मार्ग पर मालटारी में विशाल पेड़ गिर गया। इससे दोनों तरफ का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। शाम 5 बजे तक मार्ग से पेड़ नहीं हटाया जा सका था। ओले पड़ने से किसानों की काफी क्षति हुई है। मालटारी, बोझिया, महुलिया, भदांव, कुदारन तिवारी, बरकोठा, कठैचा, अंडाखोर, जीयनपुर, पकवा इनार, गडेरी पट्टी, राजूपट्टी, पारीट्टी, जमीन मुहम्मद आदि गांवों में गरज-चमक के साथ जमकर बारिश हुई, ओले भी पड़े। इससे सैकड़ों बीघा धान की फसल गिरकर बर्बाद हो गई है। क्षेत्र के किसान रामदरश सिंह, भृगुनाथ पटेल, रोशन, अजय कुमार यादव, ओम प्रकाश मिश्रा, राजन राय, संतोष शर्मा आदि किसानों ने बताया कि चक्रवात के साथ हुई बारिश और ओले पड़ने से फसलों को काफी क्षति हुई है। किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई दे रही हैं।

बाजार के लिए निकले किसान का नहर में मिला शव

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

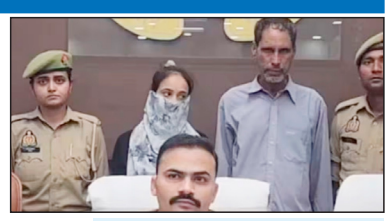


थाना क्षेत्र के पहिया भदेवा गांव निवासी ओमप्रकाश सिंह उर्फ डब्लू (52) की सोमवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में डूबने से मौत हो गई। प्राथमिक विद्यालय भदेवा मझौली के पास नहर में उनका शव मिलने की सूचना से परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने घटना की जांच की मांग की है। ओमप्रकाश सिंह सोमवार को किसी काम से बाजार गए थे। उनके चाचा अशोक सिंह ने बताया कि शाम को मदियापार बाजार से घर लौटते समय प्राथमिक विद्यालय भदेवा मझौली के पास शौच करने के दौरान वह नहर में डूब गए। रात करीब 8.30 बजे तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान नहर से ओमप्रकाश को निकालकर परिजन अतरौलिया स्थित 100 शैय्या अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पत्नी कनकलता का रो-रोकर बुरा हाल है। ओमप्रकाश खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह एक पुत्र व दो पुत्रियों के पिता थे। चाचा अशोक सिंह ने अतरौलिया थाने में तहरीर देकर घटना की जांच कराने और शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की। थानाध्यक्ष अश्विन कुमार दुबे ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

पिता ने बेटी को दुकानदार के साथ अंदर भेजा, खुद खड़ा रहा बाहर

चंद मिनट बाद गल्ला हुआ साफ, ऐसे पकड़ी गई जोड़ी

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर



दुकान पर पिता अपनी बेटी के साथ पहुंचा। दोनों बिल्कुल सामान्य ग्राहक नजर आ रहे थे। कुछ देर तक दुकानदार से सामान को लेकर बातचीत होती रही। फिर पिता ने अपनी बेटी से कहा कि वह दुकानदार के साथ अंदर जाकर खाद देख ले। बेटी दुकानदार के साथ अंदर चली गई और पिता बाहर ही खड़ा रहा। दुकानदार को उस वक्त जरा भी अंदाजा नहीं था कि कुछ ही मिनट बाद उसकी दुकान का गल्ला खाली हो जाएगा। जब वह वापस आया और गल्ला खोला तो उसके होश उड़ गए। उसमें रखे डेढ़ लाख रुपये गायब थे। बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र में हुई इस वारदात की जांच जब पुलिस ने शुरू की तो सामने आई कहानी ने पुलिस को भी चौंका दिया। पुलिस के मुताबिक चोरी करने वाली कोई आम जोड़ी नहीं थी, बल्कि पिता और उसकी अपनी बेटी थे। आरोप है कि दोनों दुकानदारों को इसी तरीके से उलझाकर मौका मिलते ही नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ करते थे। पुलिस ने पिता-पुत्री को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में दोनों के तार बिजनौर के अलावा मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर समेत कई जिलों की घटनाओं से जुड़ने का दावा किया गया है।

25 सितंबर को दुकान पर पहुंचे थे पिता-बेटी

घटना 25 सितंबर की है। चांदपुर क्षेत्र के जलीलपुर स्थित किसान सेवा केंद्र पर एक व्यक्ति अपनी बेटी के साथ पहुंचा। दोनों ने सामान खरीदने की बात कही और दुकानदार से बातचीत शुरू कर दी। दुकान पर ग्राहक आए तो दुकानदार का ध्यान उनकी तरफ जाना स्वाभाविक था। पुलिस के मुताबिक इसी दौरान पिता ने अपनी बेटी को दुकानदार के साथ दुकान के अंदर जाने के लिए कहा। बेटी अंदर चली गई और पिता बाहर ही रुक गया। कुछ देर बाद दोनों वहां से निकल गए। दुकानदार को उस समय तक कुछ भी असामान्य नहीं लगा। लेकिन जब उसने गल्ला खोला तो उसमें रखी करीब डेढ़ लाख रुपये की रकम गायब थी। तुरंत उसे समझ आया कि दुकान पर कुछ देर पहले आए दोनों लोगों पर शक करना जरूरी है।

पिता बाहर, बेटी अंदर... पुलिस को मिला वारदात का तरीका

पुलिस की जांच में इस घटना का सबसे अहम पहलू यही सामने आया कि पिता और बेटी की भूमिकाएं कथित तौर पर अलग-अलग थीं। पुलिस के मुताबिक बेटी दुकानदार से बातचीत करती या उसके साथ अंदर चली जाती थी, जबकि पिता बाहर रहकर स्थिति पर नजर रखता था। दुकानदार का ध्यान बंटते ही कथित तौर पर गल्ले या ऐसी जगह को निशाना बनाया जाता था, जहां नकदी रखी हो।

घास काटने वाली मशीन के नीचे मिला तहखाना

हिंदमाता नेटवर्क @ बेतिया



बिहार के बेतिया में शराब तस्करी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने रतनपुरा गांव में छापा मारा तो यहां घास काटने वाली मशीन के नीचे गुप्त तहखाना मिला। इससे शराब की बड़ी खेप बरामद हुई है। पुलिस ने मौके से 151 बोतल शराब बरामद की, इसी के साथ 47 साल के कारोबारी जोखू साह को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि रतनपुरा गांव का जोखू साह अपने घर में अवैध रूप से शराब का धंधा कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके घर पर अचानक छापेमारी की। शुरूआत में पुलिस को घर की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। छानबीन की तो घर के एक कोने में घास काटने वाली मशीन रखी हुई थी। पुलिस को शक हुआ तो मशीन को हटाकर देखा, जमीन के नीचे एक तहखाना मिला। जब इसकी जांच की गई तो वहां शराब छिपाने के लिए जमीन में करीब 4 फीट गहरा गुप्त ठिकाना बना हुआ था। ऊपर से मशीन रखकर उसे ढक दिया जाता था, ताकि किसी को पता न चले। बाहर से यह जगह सामान्य नजर आती थी। लेकिन तलाशी के दौरान पुलिस को जमीन के नीचे शराब का भंडार मिला। पुलिस ने तहखाने से कुल 151 शराब की बोतलें बरामद की हैं। बरामद शराब की कीमत हजारों रुपये आंकी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी जोखू साह से पूछताछ में पता चला है कि वह लंबे समय से इस धंधे को चला रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसका पहले से आपराधिक इतिहास भी रहा है। पहले भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब की खेप वह कहां से लाया था। पुलिस उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। पुलिस का मानना है कि इसके पीछे एक बड़ा गैंग हो सकता है, जो यूपी से शराब लाकर बिहार में सप्लाई करता है।

एक साथ सुसाइड का बनाया प्लान, प्रेमी ने जहर खाया, लेकिन मुकर गई प्रेमिका, मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक प्रेमी-प्रेमिका ने एक साथ सुसाइड का प्लान बनाया। फिर प्लान के मुताबिक, प्रेमी ने जहर खा लिया, लेकिन प्रेमिका मुकर गई। इस वजह से लड़के की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमिका गुरप्रीत कौर, उसकी मां पिंदर कौर और भाभी सतेंद्र कौर को नामजद किया है। परिवार का आरोप है कि युवक को प्रेम जाल में फंसाकर उसका वीडियो बनाया गया और बाद में ब्लैकमेल कर उससे करीब 25 लाख रुपये ऐंठ लिए गए। इसके बाद उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया। मृतक रविंद्र सिंह शाहजहांपुर का रहने वाला था। उसके पिता गुरमेल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रामपुर के चंदुआ नगला निवासी गुरप्रीत कौर ने उनके बेटे को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया था। आरोप है कि इसी दौरान रविंद्र का वीडियो बना लिया गया और उसे वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल किया जाने लगा।

पैसे वापस मांगने पर मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप



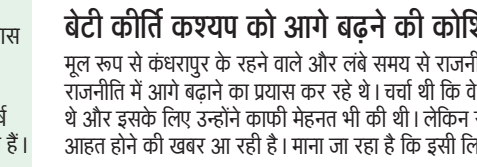
परिजनों का आरोप है कि गुरप्रीत ने रविंद्र से करीब 25 लाख रुपये ले लिए थे। जब रविंद्र ने अपने रुपये वापस मांगे तो उसे प्यार का वास्ता देकर आत्महत्या करने के लिए उकसाया जाता था। परिवार का यह भी आरोप है कि रविंद्र को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती थी। पिता के मुताबिक, 14 सितंबर की रात गुरप्रीत कौर ने फोन करके रविंद्र को फतेहगंज पश्चिमी स्थित स्थानीय टोल प्लाजा के पास बुलाया था। आरोप है कि वहां दोनों ने एक साथ आत्महत्या करने की योजना बनाई। इसके बाद गुरप्रीत के उकसाने पर रविंद्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जबकि गुरप्रीत ने जहरीला पदार्थ नहीं खाया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद रविंद्र की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

वृंदावन के गुरुकुलम में पानी का टैंक साफ करने उतरे 4 छात्रों की मौत

जहरीली गैस की वजह से हुआ हादसा

हिंदमाता नेटवर्क @ मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा में एक दर्दनाक हादसे में चार छात्रों की मौत हो गई। मामला वृंदावन के चैतन्य विहार सेक्टर-2 स्थित पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम का है। यहां मंगलवार (6 अक्टूबर) रात पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस और डूबने से चार छात्रों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य को बचा लिया गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। चारों बच्चे संस्कृत गुरुकुलम के छात्र थे। जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्रों की उम्र 17 से 20 साल के बीच बताई गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस घटना से चारों तरफ हड़कंप मच गया।



बदबू आने पर पानी की टंकी साफ करने उतरे छात्र

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के मुताबिक, गुरुकुलम परिसर में स्थित भूमिगत पानी की टंकी से दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद छात्रों ने टंकी की सफाई करने का फैसला किया। टंकी करीब 12 से 14 फीट गहरी थी। पहले मोटर की मदद से टंकी से पानी बाहर निकाला गया। जब कुछ पानी बच गया तो छात्रों ने अंदर उतरकर सफाई शुरू कर दी। सबसे पहले एक छात्र टंकी के अंदर गया, लेकिन कुछ ही देर बाद वह बेहोश हो गया।

टेट की तैयारी कर रही छात्रा का यमुना में बोरे में बंद मिला शव



परिजनों ने लेखपाल पर लगाया हत्या का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ इटावा

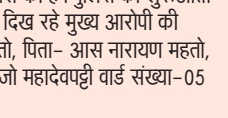
उत्तर प्रदेश के इटावा में यमुना नदी के किनारे बोरे में बंद एक छात्रा का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। घटना बढ़पुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मिहौली के पास की है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान आगरा जिले के बाह थाना क्षेत्र के रुदमुली गांव निवासी 26 वर्षीय विशाखा पुत्री विजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, विशाखा की गुमशुदगी आगरा के एमएम गेट थाने में दर्ज थी। संबंधित जानकारी के आधार पर इटावा पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और शव की पहचान विशाखा के तौर पर की। विशाखा के बड़े भाई विकास कुमार ने बताया कि उनकी छोटी बहन आगरा के एमएम गेट थाना क्षेत्र में रहकर टीईटी की तैयारी कर रही थी। 29 सितंबर को फोन पर उसकी विशाखा से बातचीत हुई थी। उस दौरान उसने 30 सितंबर को घर आने की बात कही थी, लेकिन तय समय पर वह घर नहीं पहुंची।

गुमशुदगी के बाद शुरू हुई तलाश

बहन के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और आगरा पहुंचकर जानकारी जुटाई। परिवार के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य जानकारियों के आधार पर एमएम गेट थाने में विशाखा की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। विकास कुमार का आरोप है कि गांव के ही रहने वाले और आगरा में तैनात लेखपाल शिवजीत सिंह ने उनकी बहन की हत्या की है।

श्मशान में बच्चों को उल्टा लटकाकर घुमाता था तांत्रिक

हिंदमाता नेटवर्क @ सीतामढ़ी



बिहार के सीतामढ़ी जिले में अंधविश्वास का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। महादेवपट्टी गांव में तांत्रिक द्वारा इलाज के नाम पर मासूम बच्चों को उल्टा लटकाकर घुमाने और जमीन पर फेंका गया। बिहार के सीतामढ़ी के परिहार थाना क्षेत्र से एक बेहद हैरान करने वाला और अंधविश्वास की खौफनाक तस्वीर पेश करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक तांत्रिक द्वारा इलाज के नाम पर छोटे-छोटे बच्चों के साथ क्रूरता की सारी हदें पार करने का मामला प्रकाश में आया है। महादेवपट्टी गांव के श्मशान घाट के पास अंधविश्वास की आड़ में बच्चों को उल्टा लटकाकर घुमाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति, जो लाल रंग का कुर्ता और धोती पहने हुए है, दो से पांच साल तक के मासूम बच्चों के पैरों को पकड़कर उन्हें हवा में गोल-गोल घुमा रहा है। इस दौरान आरोपी द्वारा करीब चार से पांच मासूम बच्चों को बेरहमी से जमीन पर भी फेंके जाने का आरोप है। घटना के वक्त वहां स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो इस तमाशे को देख रही थी लेकिन किसी ने भी इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटाई।वीडियो के वायरल होने और तूल पकड़ने के बाद परिहार थाना पुलिस हरकत में आई। परिहार थानाध्यक्ष पंकज यादव के स्वलिखित बयान के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच-पड़ताल शुरू की। सत्यापन के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यह घटना महादेवपट्टी गांव में वार्ड संख्या-02 स्थित संस्कृत विद्यालय के पास बने श्मशान घाट के पास की है। पुलिस की शुरूआती जांच में वीडियो में दिख रहे मुख्य आरोपी की पहचान श्रवण महतो, पिता- आस नारायण महतो, के रूप में हुई है, जो महादेवपट्टी वार्ड संख्या-05 का रहने वाला है।

हिंदमाता एंकर: पूर्व सांसद ने एक शेर सुनाते हुए कहा-आंखों में रहा दिल में उतर कर नहीं देखा, कश्ती के मुसाफिर ने कभी समंदर नहीं देखा

राज्यसभा टिकट नहीं मिला तो बीजेपी को 'टाटा-बाय-बाय'! पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप की पोस्ट से हलचल

हिंदमाता संवाददाता @ बरेली

भारतीय जनता पार्टी द्वारा राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी करते ही बरेली के पूर्व बीजेपी सांसद धर्मेंद्र कश्यप के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी पारे को चढ़ा दिया है। पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने अपने फेसबुक अकाउंट पर "टाटा बाय-बाय" लिखा, जिसके वायरल होते ही राजनीतिक जगत में हलचल मच गई। यह मैसेज सामने आते ही सोशल मीडिया से लेकर उनके आवास तक कुछ समर्थक और कार्यकर्ता पहुंचे। उनके फोन लगातार बजने लगे और लोग यह जानकर हैरान रह गए कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो उन्हें इस तरह का कदम उठाना पड़ा।

राज्यसभा के उम्मीदवारों की लिस्ट में नाम न आना

ऐसी चर्चा है कि लिस्ट आने से दुखी होकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी छोड़ने का मन बना लिया है और जल्द ही किसी दूसरी पार्टी का दामन थाम सकते हैं। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है कि इस मैसेज के पीछे उनका वास्तविक उद्देश्य क्या है। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि वे जल्द ही समाजवादी पार्टी या किसी अन्य प्रमुख दल के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं।



आंखों में रहा दिल में उतर कर नहीं देखा

पूर्व सांसद ने एक शेर सुनाते हुए कहा- आंखों में रहा दिल में उतर कर नहीं देखा, कश्ती के मुसाफिर ने कभी समंदर नहीं देखा। जब से चला हूं मंजिल पर मेरी निगाहें हैं, कभी मील का पत्थर नहीं देखा। अब समर्थकों पर तय करते हैं। भारी समर्थकों की संख्या है। मीटिंग बुलाऊंगा, उसके बाद जो भी तय होगा वह आपके सामने आ जाएगा। बहुत जल्द मीटिंग बुलाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा से अपना कोई मतलब ही नहीं है। टिकट जहां से चाहेंगे वहां से मिलेगा। समर्थकों की बैठक में तय हो जाएगा।

बेटी कीर्ति कश्यप को आगे बढ़ने की कोशिश

मूल रूप से कंधरापुर के रहने वाले और लंबे समय से राजनीति में सक्रिय धर्मेंद्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को राजनीति में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। चर्चा थी कि वे अपनी बेटी के लिए राज्यसभा टिकट की दावेदारी कर रहे थे और इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत भी की थी। लेकिन राज्यसभा की सूची आते ही निराशा हाथ लगने पर उनके आहत होने की खबर आ रही है। माना जा रहा है कि इसी लिस्ट के जारी होने के बाद उन्होंने यह पोस्ट साझा किया।

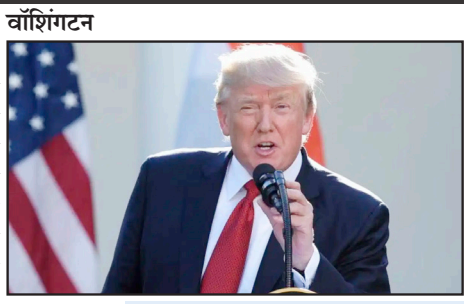
बीएसपी से सपा और फिर बीजेपी में आए धर्मेंद्र कश्यप

धर्मेंद्र कश्यप पहली बार वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर विधायक चुने गए थे। इसके बाद 2003 में वे समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए और राज्य मंत्री बने। 2009 के लोकसभा चुनाव में वे आंवला (बरेली) सीट से भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी से मामूली अंतर से चुनाव हार गए थे। इसके बाद वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और वर्ष 2014 तथा 2019 में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार नीरज मौर्य से 15,970 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव हारने के बाद से ही वे अपनी बेटी को राजनीति में स्थापित करने के लिए लगातार सक्रिय थे। फेसबुक पर "टाटा बाय-बाय" लिखे जाने के बाद समर्थकों और स्थानीय नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। कई समर्थकों ने भाजपा नेतृत्व पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए पोस्ट शेयर किए हैं। एक समर्थक ने लिखा जो पहले से मंत्री हैं, उन्हें फिर से राज्यसभा प्रत्याशी बना दिया गया और जमीनी नेताओं को नजरअंदाज कर दिया गया। अगर यही हाल रहा तो 2027 में बरेली की सभी 9 विधानसभा सीटों पर पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा।

ईरान में 300% तक पहुंची महंगाई! ट्रंप का दावा- न अर्थव्यवस्था बची-न तेल

मंत्री का भी इस्तीफा

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन



अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि पिछले कुछ दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य से लाखों बैरल तेल गुजरा है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा दावा किया। उनका कहना है कि ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और वहां महंगाई भी करीब 300 फीसदी तक पहुंच गई है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इसलिए इस्तीफा दिया, क्योंकि देश में कोई अर्थव्यवस्था नहीं बची और न ही तेल बचा है। मंगलवार (6 अक्टूबर) को व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ईरान की हालत बेहद खराब है। उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। वहां मुद्रास्फीति लगभग 300 प्रतिशत है। उनके तेल मंत्री ने अभी-अभी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा, हमारे पास कोई अर्थव्यवस्था नहीं है, हमारे पास तेल नहीं है, हमारे पास कुछ भी नहीं है।

होर्मुज से लाखों बैरल तेल की आवाजाही

इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से लाखों बैरल तेल की आवाजाही हुई है। उन्होंने कहा कि होर्मुज से तेल का प्रवाह पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले के स्तर के बराबर और कभी-कभी उससे भी अधिक स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से भारी मात्रा में लाखों बैरल तेल पिछले कुछ दिनों में पहुंचाया गया है। हम इसे उन स्तरों पर प्राप्त कर रहे हैं, जो अब युद्ध से पहले के स्तर के बराबर हैं और कभी-कभी उससे भी अधिक हैं। और हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

सितंबर में भी बढ़ा तेल निर्यात

अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर बढ़ते हमलों के बावजूद हाल के दिनों में खाड़ी से तेल निर्यात में काफी सुधार हुआ है।

पीएम मोदी की तारीफ में सर्बिया के पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक बोले-

भारत को स्वर्ग की ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर जनसेवा के 25 साल पूरे हो गए। इस मौके पर देश और दुनिया के नेताओं की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इस बीच, सर्बिया के पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे पीएम मोदी की तारीफ कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सर्बिया के पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक कह रहे हैं, "उन्होंने भारत को स्वर्ग की ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। आज वैश्विक मंच पर भारत महत्वपूर्ण है तो इसकी वजह पीएम मोदी हैं। उन्होंने बहुत बड़े काम किए हैं। फिर भी, वहां लोग (विपक्ष) उन्हें नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं।" वहीं, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने मोदी को शुभकामनाएं देते हुए उनके राजनीतिक नेतृत्व और भारत के विकास में योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी ने 2001 से सरकार के प्रमुख के तौर पर प्रभावी नेतृत्व किया है और भारत की अंतरराष्ट्रीय साख बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने पीएम मोदी को "भगवान विष्णु का अवतार" बताया। उन्होंने 2019 में नई दिल्ली में आम नागरिक के रूप में पीएम मोदी से हुई मुलाकात को याद किया। टोबगे ने कहा कि पीएम मोदी ने भारतीयों में अपने देश के प्रति विश्वास, गर्व और महत्वाकांक्षा को मजबूत किया है।

फिलिपीन के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस

फिलिपीन के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस ने पीएम मोदी को लगातार सफलता की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुजरात से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक पीएम मोदी का सफर सुशासन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित रहा है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवेर

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवेर ने पीएम मोदी को 25 साल की जनसेवा पूरी करने पर बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी को और गहरा करने की इच्छा जताई।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पीएम मोदी को समर्पित जनसेवा के 25 साल पूरे करने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने पीएम मोदी और उनकी सरकार के लिए आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता और समृद्धि की कामना की।

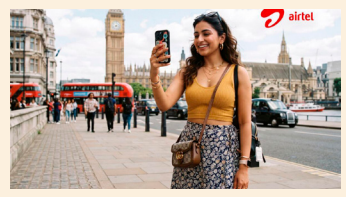
नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू

नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने कहा कि लोकतंत्र में लगातार 25 साल तक नेतृत्व करना दुर्लभ उपलब्धि है। उन्होंने पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और विकास के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और भारत-नाइजीरिया संबंधों को और मजबूत होने का भरोसा जताया।

बिजनेस वर्ल्ड

एयरटेल दे रहा है सभी पोस्टपेड प्लान्स पर मुफ़्त अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग सुविधा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



भारत की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज नए पोस्टपेड प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है, जिनमें पहले से भी अधिक सुविधाएँ शामिल की गई हैं। 8 अक्टूबर, 2026 से ग्राहक इन नए पोस्टपेड प्लान्स के साथ हर साल एक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के दौरान मुफ़्त रोमिंग का लाभ उठा सकेंगे । इसके अलावा, उन्हें पहले से उपलब्ध सभी मौजूदा लाभ भी मिलते रहेंगे।मुफ़्त अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक में 5 जीबी डेटा, 60 मिनट की कॉलिंग, 25 आउटगोइंग एसएमएस और मुफ़्त इनकमिंग एसएमएस शामिल हैं। इसकी वैधता 5 दिन होगी। ग्राहकों को अपनी पसंद के समय पर 5-दिन वाले पैक को एक्टिवेट करने की पूरी सुविधा मिलती है, जिससे विदेश यात्रा के दौरान कनेक्टेड रहना और भी आसान हो जाता है। एयरटेल पोस्टपेड फैमिली प्लान के ग्राहकों के लिए मुफ़्त अंतरराष्ट्रीय रोमिंग की सुविधा प्लान में शामिल प्रत्येक परिवार सदस्य को उपलब्ध होगी। मुफ़्त अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग, एयरटेल पोस्टपेड प्लान में जोड़ा गया नया लाभ है, जो फास्ट लेन तकनीक के जरिए उत्कृष्ट अनुभव, अनलिमिटेड डेटा और स्पैम व धोखाधड़ी वाले लिंक से नेटवर्क-स्तरीय सुरक्षा प्रदान करते हैं। ग्राहक कई मनोरंजन सब्सक्रिप्शन का लाभ भी उठा सकते हैं और उन्हें एयरटेल पोस्टपेड एडवांटेज क्लब के माध्यम से विशेष अनुभवों का एक्सेस मिलता है, जिनमें कॉमेडी शो, फिल्म प्रीमियर और कॉन्सर्ट शामिल हैं। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल के डायरेक्टर – मार्केट ऑपरेशंस, अमित त्रिपाठी ने कहा, हमारे लिए पोस्टपेड का मतलब भारतीय बाजार में सर्वश्रेष्ठ अनुभव देना है।

बजाज फाइनेंस द्वारा फिक्स्ड डिपॉजिट ब्याज दरों में बढ़ोतरी, मिलेगा 8.15 प्रतिशत तक का रिटर्न

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी की है। कंपनी ने 12 से 60 महीनों की सभी अवधियों के लिए ब्याज दरों में 15 से 40 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि की है और ये नई दरें आज से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी से निवेशकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को बड़ा आर्थिक लाभ होगा।इन नए बदलावों के अनुसार, आम नागरिक 31 से 60 महीनों की अवधि के लिए नई जमा पर अब सालाना 7.75 प्रतिशत तक का रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इससे पहले यह दर 7.40 प्रतिशत थी। इसी प्रकार, वरिष्ठ नागरिकों को अब सभी अवधियों पर मूल दर से अतिरिक्त 0.40 प्रतिशत अधिक ब्याज मिलेगा और 31 से 60 महीनों की जमा पर उन्हें 8.15 प्रतिशत तक का उच्चतम रिटर्न मिल सकेगा। विशेष रूप से, जिन ग्राहकों को अपनी मैच्योर हो चुकी जमा का नवीनीकरण कराना है, उन्हें अतिरिक्त 0.10 प्रतिशत वार्षिक लाभ मिलेगा। इससे वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 8.25 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इस बारे में बात करते हुए बजाज फाइनेंस के डिपॉजिट्स और वेल्थ मैनेजमेंट के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन सिक्का ने कहा, "निश्चित रिटर्न चाहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट हमेशा से बचत का एक महत्वपूर्ण साधन रहा है। हमने लंबी अवधि पर अधिक जोर दिया है, ताकि निवेशक पांच साल तक उच्च रिटर्न प्राप्त कर सकें। हमारी यह ट्रिपल-ए रेटेड डिपॉजिट ऑनलाइन माध्यम से कुछ ही मिनटों में खोली जा सकती है।"बजाज फाइनेंस की इस जमा को क्रिसिल और आईसीआरए से 'एएए/स्टेबल' रेटिंग मिली है और इसमें न्यूनतम 15,000 रुपये से निवेश किया जा सकता है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को मिले 574 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) क्षेत्र की प्रमुख ईपीसी कंपनियों में से एक, ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड को 574 करोड़ रुपये से अधिक के नए ऑर्डर मिले हैं, जो मुख्य रूप से उसके कोर घरेलू टीएंडडी कारोबार से जुड़े हैं। इनमें बड़ी हिस्सेदारी ट्रांसमिशन लाइनों के रिकंडक्टरिंग प्रोजेक्ट्स की है, जिनमें कंपनी के सिलवासा प्लांट में बने नई पीढ़ी के कार्बन-कोर एचटीएलएस कंडक्टर इस्तेमाल होंगे।इन ऑर्डर में ट्रांसमिशन लाइनों के ईपीसी प्रोजेक्ट, अपनी फैक्ट्रियों से एचटीएलएस कंडक्टर की सप्लाई के साथ ट्रांसमिशन लाइन रिकंडक्टरिंग और पोल आदि की सप्लाई शामिल हैं। इनसे एचटीएलएस कंडक्टर बनाने और उन्हें ट्रांसमिशन लाइनों पर लगाने में कंपनी की महारत सामने आती है। साथ ही, यह भी पता चलता है कि हाल में कंडक्टर निर्माण क्षमता में की गई 70% की बढ़ोतरी कितनी अहम है। निजी क्षेत्र की एक बहुत बड़ी भारतीय डेवलपर कंपनी से मिला ट्रांसमिशन लाइन निर्माण का ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट भी इन्हीं ऑर्डर का हिस्सा है। इन नए ऑर्डर के साथ चालू वित्त वर्ष में कंपनी का कुल ऑर्डर इनटेक बढ़कर 1,609 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा 694 करोड़ रुपये के ऐसे ऑर्डर भी हैं, जिनमें कंपनी की बोली सबसे कम (एल1) है।कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में अच्छी बोली पाइपलाइन बनी हुई है। मजबूत ऑर्डर बुक, इस दमदार पाइपलाइन और बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता से कंपनी की लंबी अवधि की ग्रोथ की संभावनाएं और पुख्ता होती हैं।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने भारत के डेयरी प्रोसेसर्स के लिए 'लैक्टा इनसाइट' लॉन्च किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

ग्लोबल एप्लाइड एआई और डेटा लॉजिस्टिक्स कंपनी 'फाइंडेबिलिटी साइंसेस' ने आज डेरी उद्योग के लिए अपने विशेष प्लेटफॉर्म 'लैक्टाएआई' के अंतर्गत 'लैक्टा इनसाइट' लॉन्च करने की घोषणा की। यह नया प्लांट ऑपरेशंस प्रोडक्ट भारत में डेरी प्रोसेसर्स के लिए उपलब्ध होगा। भारत ने वर्ष 2024-25 में 247.87 मिलियन टन दूध का उत्पादन किया है और यह दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। इतने बड़े पैमाने पर रिकवरी, प्रक्रिया की स्थिरता और ऊर्जा के उपयोग में किए गए छोटे-छोटे सुधार भी प्रोसेसर्स के लिए बड़ा आर्थिक लाभ पैदा कर सकते हैं। ऋतु, मवेशियों की नस्ल और दूध के स्रोत के अनुसार इसके घटकों में बदलाव आता है और समय के साथ उपकरणों की कार्यक्षमता भी बदलती है। अक्सर संयंत्रों को उत्पादन में होने वाले नुकसान का पता प्रयोगशाला के परिणाम आने या उत्पादन मिलान के बाद ही चलता है, लेकिन तब तक नष्ट हो चुके मिल्क सॉलिड्स को दोबारा हासिल करना संभव नहीं होता।लैक्टा इनसाइट इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यह उत्पादन, प्रयोगशाला, गुणवत्ता, रखरखाव और एंटरप्राइज डेटा को एक साथ जोड़ता है। यह डेरी प्रोसेसर्स को उत्पाद में होने वाले सॉलिड्स के नुकसान को बढ़ने से पहले ही पहचानने में सक्षम बनाता है। एक-एक करके अलार्म की जांच करने के बजाय यह संबंधित प्रक्रिया संकेतों का एक साथ विश्लेषण करके संभावित कारणों को तेजी से खोजता है। इसके अलावा, यह इवैपोराइजेशन और सुखाने की प्रक्रियाओं में होने वाली भाप, पानी और ऊर्जा की गैर-जरूरी खपत की पहचान कर लागत कम करता है और हर सिफारिश के पीछे सहायक साक्ष्य व कॉन्फिडेंस स्कोर प्रदान करता है। इस पूरी प्रक्रिया में परिचालन टीम का नियंत्रण बना रहता है, क्योंकि प्रणाली खुद से सेटिंग्स नहीं बदलती बल्कि ऑपरेटर के हर फैसले को रिकॉर्ड करती है।

एआईसी पिनेकल और नैट्रैक्स ने ईवी और मोबिलिटी इनोवेशन को तेजी देने के लिए साझेदारी की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



एआईसी पिनेकल एंटरप्रेन्योरशिप फोरम और नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नैट्रैक्स) ने ऑटोमोटिव और मोबिलिटी क्षेत्र में स्टार्टअप और इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें शुरूआती ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों, ऑटोमोटिव मोबिलिटी और कनेक्टेड मोबिलिटी पर रहेगा। पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस-एका की चाकन फैसिलिटी में एआईसी पिनेकल के सीईओ डॉ. अविनाश ठाकुर और नैट्रैक्स के डायरेक्टर डॉ. मनीष जायसवाल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।इस साझेदारी में एआईसी पिनेकल के स्टार्टअप इनक्यूबेशन, मेंटरिंग और इंडस्ट्री नेटवर्क के साथ नैट्रैक्स के ऑटोमोटिव टेस्टिंग और वैलिडेशन इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे स्टार्टअप्स को प्रोटोटाइपिंग से लेकर प्रोडक्ट डेवलपमेंट, टेस्टिंग, वैलिडेशन और कमर्शियलाइजेशन तक आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, जिसमें खास ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों और ऑटोमोटिव मोबिलिटी पर होगा। तुरंत उठाए जाने वाले कदम के तौर पर, दोनों संगठनों ने एक स्टार्टअप हैकाथॉन आयोजित करने और एआईसी पिनेकल के मौजूदा बैच के उपयुक्त स्टार्टअप्स को नैट्रैक्स की टेस्टिंग सुविधाओं तक पहुंच देने पर चर्चा की। वे तकनीकी विशेषज्ञों और इंडस्ट्री नेटवर्क से जुड़ना भी आसान बनाएंगे, जिससे स्टार्टअप्स अपने उत्पाद सुधारकर उन्हें बाजार के लिए तैयार करने की दिशा में काम कर सकेंगे।

फ्रांस पर कब्जा कर रहे मुसलमान?

छात्र आंदोलन को ट्रंप क्यों बता रहे 'इस्लामी टेकओवर'

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन



फ्रांस में इन दिनों स्कूल और यूनिवर्सिटी के छात्र सड़कों पर हैं। शुरूआत स्कूलों में शिक्षकों, नर्स और स्टाफ की कमी से हुई, लेकिन अब इस आंदोलन पर अमेरिका की राजनीति का असर भी दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों को सिर्फ स्कूलों की समस्या मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि यह बेकाबू सामूहिक प्रवासन और इस्लाम के फ्रांस पर कब्जे की कोशिश से जुड़ा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि फ्रांस में जो हो रहा है, वह सिर्फ स्कूलों का मामला नहीं है। उनके मुताबिक, इसके पीछे बड़ी संख्या में हो रहा प्रवासन है और इस्लाम फ्रांस पर कब्जा करना चाहता है। ट्रंप के इस बयान के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि फ्रांस में जमीन पर हो क्या रहा है? क्या वाकई यह आंदोलन धर्म और प्रवासन को लेकर है या कहानी कुछ और है?

क्या आंदोलन में हिंसा भी हो रही है?

आंदोलन के दौरान कुछ हिस्सों में हिंसा भी हो रही है। 6 अक्टूबर को तीसरा राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन हो रहा है। स्कूल और यूनिवर्सिटी के छात्र सड़कों पर उतर रहे हैं और कई ट्रेड यूनियन भी उनके साथ आ रही हैं। फ्रांसीसी गृह मंत्रालय 2,66,000 लोगों के शामिल होने की बात कर रहा है, जबकि छात्र संगठन यूएसएल 4,50,000 लोगों के शामिल होने का दावा कर रहा है।

फ्रांस में आखिर हो क्या रहा है?

मौजूदा आंदोलन की शुरूआत पेरिस के पास स्थित शहर के एक हाई स्कूल से हुई। यहां छात्रों की शिकायत है कि क्लास में 32-35 बच्चे हैं, लेकिन स्कूल में न नर्स है, न शिक्षक। दिव्यांग बच्चों की मदद करने वाला स्टाफ यानी एईएसएच भी कम है। 21 सितंबर को छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। शुरूआत में आंदोलन एक स्कूल तक सीमित दिख रहा था, लेकिन इसके बाद दूसरे स्कूलों के छात्र भी जुड़ने लगे। अब फ्रांस के अलग-अलग इलाके के कई स्कूलों के बाहर नाकाबंदी लगी है और छात्र अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं। आंदोलन ऐसे समय में बढ़ रहा है, जब फ्रांस में बजट को लेकर भी दबाव है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री सेबास्तियन लेकोर्नू 2027 के बजट में 54 अरब यूरो की बचत की योजना बता रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के वेतन फ्रीज करने की बात भी हो रही है। हालांकि, यह 54 अरब यूरो पूरे बजट में बचत का आंकड़ा है, सिर्फ स्कूलों के लिए नहीं है। इमैनुएल मैक्रों शासन का भी कहना है कि इसको लेकर लोगों के बीच अफवाह फैली है।

तो फिर ट्रंप इसे इस्लामी आंदोलन क्यों बता रहे हैं?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस के छात्र आंदोलन को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों की शुरूआती मांगों में शिक्षक, नर्स, स्टाफ और स्कूल के संसाधन शामिल हैं। आप्रवासन या इस्लाम को लेकर आंदोलन शुरू नहीं हुआ था। इसके बावजूद ट्रंप पूरे विवाद को प्रवासन और इस्लाम से जोड़ रहे हैं। वह इसे एक बड़े सामाजिक और सांस्कृतिक संकट के रूप में देख रहे हैं। ट्रंप के बयान से ऐसा संदेश जा रहा है कि फ्रांस में स्कूलों से जुड़ी शिकायत के पीछे असल समस्या आबादी में हो रहा बदलाव और इस्लाम का कथित रूप से बढ़ता प्रभाव है। लेकिन जानकारी इस दावे से मेल नहीं खा रही है। फ्रांसीसी अधिकारियों की तरफ से सामने आ रही जानकारी भी यह नहीं दिखा रही कि छात्र किसी संगठित इस्लामी एजेंडे के तहत प्रदर्शन कर रहे हैं।

अलर्ट रहें क्योंकि..., फ्लाईदुबई हाईजैक के बाद इजराइली राजदूत ने भारत को चेताया

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव



भारत में इजरायली राजदूत रियुवेन अजार ने संभावित कट्टरपंथी इस्लामी आतंकी हमलों को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल समेत दुनिया के देशों को आतंकवाद की एक नई लहर के लिए तैयार रहना होगा। आतंकी संगठन सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों से ज्यादा तेजी से अपनी तैयारी और क्षमता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में उनसे एक कदम आगे रहने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को भी तेजी से काम करना होगा। इंडिया टुडे को दिए विशेष इंटरव्यू में अजार ने कहा, 'आतंकी हमसे तेज हैं और हमें उनसे तेज होना होगा। अगर आतंकवाद की अगली लहर से बचना है तो लगातार सतर्क रहना होगा और समय रहते तैयारी करनी होगी। हमें सतर्क और तेजी से काम करना होगा, तभी हम आतंक की अगली लहर से आगे रह पाएंगे। और अगली लहर आएगी।'

फ्लाईदुबई हमले को बताया गंभीर खतरा

इजरायली दूत की यह चेतावनी फ्लाईदुबई की उस घटना की जांच के बीच आई है, जिसमें ओमानी सह-पायलट हमाम अल-हम्मामी ने भारतीय कैप्टन स्मित मछार पर हमला कर विमान का नियंत्रण लेने की कोशिश की थी। विमान में 174 यात्री सवार थे। कैप्टन स्मित मछार ने घायल होने के बावजूद मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद यात्रियों ने अंदर पहुंचकर सह-पायलट को काबू किया।

पाकिस्तान में हमास की गतिविधियों का किया जिक्र

आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते सहयोग को लेकर सवाल पर अजार ने हमास की मध्य पूर्व से बाहर बढ़ती गतिविधियों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक साल में हमास के कई वरिष्ठ कमांडर पाकिस्तान और बांग्लादेश में देखे गए हैं। उन्होंने हमास के नेताओं नाजी जाहिर और खालिद अल-कदूमी के जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने का भी दावा किया। अजार ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले को भी हमास के प्रभाव का उदाहरण बताया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हमास ने इस क्षेत्र के आतंकी संगठनों को प्रेरित किया है और पहलगाम हमला इसी का एक उदाहरण था। उन्होंने कहा कि हमास के प्रतिनिधियों की यहां बैठकें होने की जानकारी सामने आई है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हो रहा है, यह पता नहीं है।

इजरायल ने विमान को रोकने की तैयारी की थी

अजार के मुताबिक, ऐसी स्थिति में इजरायल की वायुसेना को अलर्ट किया जाता है और राजनीतिक नेतृत्व को भी इसकी जानकारी दी जाती है। इसके बाद विमान को रोकने या रोककर उसकी जांच करने का फैसला राजनीतिक नेतृत्व करता है। इजरायली मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि अगर विमान से 9/11 जैसे खतरे का अंदेशा होता तो इजरायल उसे मार गिराने तक का फैसला ले सकता था। इजरायली लड़ाकू विमान भी अलर्ट किए गए थे, लेकिन बाद में फ्लाईदुबई विमान के सऊदी अरब की ओर मुड़ने के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया। अजार ने कहा कि कैप्टन स्मित मछार और यात्रियों की बहादुरी ने बड़ी त्रासदी को टाल दिया। उन्होंने भारतीय पायलट और यात्रियों के साहस की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से यह हमला नाकाम हुआ।

फ्रांस में हिंसा से डरे यहूदी, तोड़फोड़-आगजनी के बीच इजरायल ने पलायन के लिए शुरू की तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

फ्रांस में लगातार बढ़ रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच इजरायल को वहां रहने वाले यहूदियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी वजह से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस से संभावित बड़े पैमाने पर यहूदी पलायन यानी अलीया के लिए तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। इस बीच इजरायल में चुनाव भी चल रहा है। इजरायल के अलीया और इंटीग्रेशन मंत्री ओफिर सोफर ने सरकार की बैठक में कहा कि फ्रांस में हो रहे दंगों को देखते हुए बड़े पैमाने पर आने वाले यहूदियों को बसाने की योजना तैयार करनी होगी। सेटलमेंट्स मंत्री ओरीट स्ट्रॉक ने कहा कि वहां यहूदी सड़कों पर निकलने से डर रहे हैं और इस बात की आशंका है कि उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो सकती है। इसके बाद नेतन्याहू ने सोफर, वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच और डायस्पोरा मंत्री अमीचाई चिकली को मिलकर एक योजना तैयार करने को कहा है।



इस साल 4 हजार के करीब फ्रांसीसी यहूदी पहुंचे इजरायल

इजरायली रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की शुरूआत से अब तक करीब 4 हजार फ्रांसीसी यहूदी इजरायल पहुंच चुके हैं। यह संख्या पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले करीब 40 फीसदी ज्यादा है। बढ़ती हिंसा के बीच इजरायल को आशंका है कि फ्रांस से यहूदी आबादी के आने का सिलसिला और तेज हो सकता है। फ्रांस में पिछले हफ्ते पेरिस से शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन अब मार्सेई, नांते और मॉपेलिए समेत कई बड़े शहरों तक फैल चुका है। छात्र शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की कमी, ज्यादा भीड़ वाली कक्षाओं और खराब स्कूल इमारतों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमले से काला सागर में जा रहे तेल टैंकर में लगी आग

धुएं से काला नजर आया आसमान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



रूस के दक्षिणी तट के पास मंगलवार को एक तेल टैंकर में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि इस जहाज पर यूक्रेन के नौसैनिक ड्रोन से हमला हुआ था, जिसके बाद रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों के ऊपर काले धुएं का गुबार उठने लगा। रूस के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर काला सागर में हमला किया गया और पानी पर कच्चा तेल जल रहा था। दूर से ही काले धुएं का गुबार उठता देखा गया। रूस के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि आग इतनी तेज थी कि फायरफाइटर्स उसे तुरंत नहीं बुझा पाए, लेकिन सभी 23 क्रू सदस्यों को बचा लिया गया। ये सभी भारतीय नागरिक थे। सोची से आए वीडियो और तस्वीरों में समुद्र के किनारे का खौफनाक मंजर देखा गया। तेज लपटें उठ रही थीं और आसमान में घना काला धुआं फैलता हुआ दिखाई दे रहा था। एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने समुद्र तटों और तटीय इलाकों के कुछ हिस्सों में लोगों के जाने पर रोक लगा दी।

एडवाइजरी जारी

सिरियस फेडरल टेरिटरी के प्रमुख दिमित्री प्लिशकिन ने टैंकर में आग लगने की पुष्टि की और स्थानीय बीच को कुछ समय के लिए बंद करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, "काला सागर में एक टैंकर में आग लग गई। लोगों की सुरक्षा के लिए सिरियस के बीच कुछ समय के लिए बंद कर दिए जाएंगे। पानी और हवा की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।" उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी रूस की हाइड्रोमेटियोरोलॉजिकल सर्विस के साथ मिलकर काम कर रहे थे। जब अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे थे, तब लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह भी दी गई।

हिंदमाता एंकर एक साल में पाकिस्तान में गरीबों की संख्या में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है

पाकिस्तान का हर दूसरा शख्स है गरीब

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद



पाकिस्तान का अब हर दूसरा शख्स गरीबी रेखा के नीचे है। यह खुलासा वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 48 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जो 3 डॉलर से कम कमाते हैं। पाकिस्तान में गरीबी रेखा से बाहर निकलने के लिए 3 डॉलर का पैमाना तय किया गया है। 2025 में करीब 44 प्रतिशत ऐसे लोग थे, जो बीपीएल की सूची में शामिल थे। एक साल के भीतर पाकिस्तान में गरीबों की संख्या में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक पाकिस्तान में अब हर दो में से एक शख्स गरीबी रेखा के नीचे जीने को मजबूर है। यह आंकड़ा ऐसे वक्त में सामने आया है, जब पाकिस्तान की सरकार गरीबी को खत्म करने के लिए निवेश लाने का दावा कर रही है।

गरीबों की संख्या में बढ़ोतरी क्यों?

वर्ल्ड बैंक का कहना है कि कोरोना काल के बाद से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था रफ्तार नहीं पकड़ पाई। इसे सुधारने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन पाकिस्तान सरकार को सफलता नहीं मिली। इसके बाद बाढ़ ने पाकिस्तान को और ज्यादा नुकसान पहुंचा दिया। राजनीतिक अस्थिरता भी एक अहम कारण है। पाकिस्तान का बलूचिस्तान, खैबर और पीओके का इलाका लंबे वक्त से अशांत है। इसका असर भी पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की कंपनियां उत्पाद और नवाचार पर नहीं सोच रही हैं। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि 2018-19 और 2024-25 के बीच गरीबी दर में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान गरीबी के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

लोगों के खर्च में बढ़ोतरी दर्ज

इधर, लोगों के खर्च में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स का कहना है कि पाकिस्तान का हर परिवार रहने और खाने-पीने पर औसतन 9 डॉलर रोजाना खर्च करता है। एक परिवार में औसतन 6 लोग रहते हैं। इस हिसाब से एक शख्स का रोजाना खर्च 1.5 डॉलर है। पहले यह संख्या करीब 1 डॉलर थी।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 8 अक्टूबर, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

स्मृति मंधाना बनीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान



हरमनप्रीत कौर के पद छोड़ने के फसले के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने मंगलवार रात घोषणा की कि स्मृति मंधाना स्थायी रूप से यह भूमिका संभालेंगी। मंधाना पहले भी अलग-अलग फॉर्मेट में भारत की कप्तानी कर चुकी हैं और अब वह फुल-टाइम व्हाइट-बॉल कप्तान हैं। उन्होंने पहले 18 T20I और 4 ODI मैचों में भारत की कप्तानी की है। स्मृति पिछले कुछ सालों में भारतीय महिला क्रिकेट की अहम खिलाड़ियों में से एक रही हैं और टीम की तरक्की में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। एक अनुभवी इंटरनेशनल क्रिकेटर होने के नाते, उन्होंने घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी अपनी लीडरशिप क्षमता साबित की है। हाल ही में, उन्होंने 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जिताया।

BCCI ने स्मृति मंधाना को सौंपी नई जिम्मेदारी

मंगलवार को जारी एक बयान में BCCI ने कहा कि स्मृति, जो 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं, इस भूमिका के लिए काफी अनुभव लेकर आई हैं। अब वह टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी संभालेंगी, क्योंकि टीम एक नए दौर में प्रवेश कर रही है और हाल के वर्षों में हुई तरक्की को और आगे बढ़ाएगी। स्मृति मंधाना ने कहा कि भारत की कप्तानी करने की जिम्मेदारी एक बहुत ही खास सम्मान है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से बहुत मायने रखता है, और टीम की कप्तानी करने का मौका भी उतना ही अहम है। मैं चयनकर्ताओं, अपनी टीम की साथियों और उन सभी लोगों की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया है। नई कप्तान ने आगे कहा कि मैं कप्तान के तौर पर हरमनप्रीत कौर के योगदान को भी याद करना चाहती हूं। वह टीम का एक अहम हिस्सा रही हैं। मैं इस भूमिका के साथ आने वाली जिम्मेदारी को समझती हूं और टीम के साथ काम करने, साथ मिलकर सीखने और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए उत्साहित हूं।

मिथुन मन्हास ने टीम को दी बधाई

एसोसिएशन के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने कई सालों से भारतीय क्रिकेट में अहम भूमिका निभाई है और हमेशा टीम के प्रति बहुत ज्यादा समर्पण दिखाया है। मुझे उम्मीद है कि वह इस नए सफर में टीम को आगे ले जाएंगी। एसोसिएशन के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि इस अहम जिम्मेदारी के लिए स्मृति को बधाई। वह भारतीय टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बन गई हैं और भारतीय महिला क्रिकेट के सफर में कई अहम पलों का हिस्सा रही हैं। वह सच में समझती हैं कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह अपनी इस भूमिका में उस समझ का इस्तेमाल करेंगी और अहम योगदान देंगी।

भारत का प्रतिनिधित्व बड़ी जिम्मेदारी

देवजीत सैकिया ने आगे कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन स्मृति ने हमेशा इसे बखूबी निभाया है। उनकी कामयाबी उनके लीडरशिप गुणों का सबूत है। मैं उन्हें और टीम को आगे के सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि उनकी लीडरशिप भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाती रहेगी।



T20I रैंकिंग में चढ़े; टॉप 10 में चार भारतीय शामिल

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को टी-20 फॉर्मेट की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी-20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई। इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। टॉप 10 बल्लेबाजों में चार भारतीय हैं।



वैभव सूर्यवंशी आठ पायदान चढ़े

इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति के अनुसार ईशान किशन नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज हैं, अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।



न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया और इंडिया 'ए' के स्क्वाड की घोषणा कर दी है। इस दौरे में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, जबकि इंडिया 'ए' की टीम न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीन चार दिवसीय मैच खेलेगी। वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीमों की घोषणा बाद में की जाएगी। इस स्क्वाड में सबसे बड़ी खबर अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टीम में वापसी है, जिन्हें फिर से गेंदबाजी का जिम्मा दिया गया है। श्रेयस अय्यर को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है।

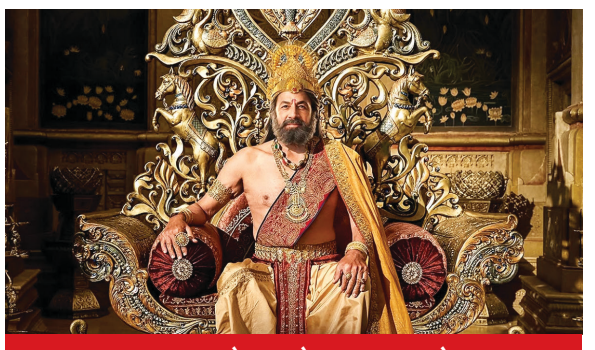
टी-20 में भुवनेश्वर कुमार की वापसी कैसे?

भुवनेश्वर कुमार ने नवंबर 2022 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपना आखिरी टी-20 मैच खेला था। इसके बाद वह टीम से बाहर थे, लेकिन पिछले दो आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। पिछले दो टूर्नामेंटों में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 45 विकेट लिए और टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी स्विंग और अनुभव को ध्यान में रखते हुए उन्हें फिर से नेशनल टीम में शामिल किया गया है। लेकिन इस चयन के कारण भुवनेश्वर कुमार को हांगकांग सिक्सेस से हटना पड़ेगा, जहां हाल ही में उन्हें कप्तान बनाया गया था।

टी-20 टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

भारत 'ए' टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, ऋषभ पंत* (विकेटकीपर - फिटनेस पर निर्भर), वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़ और मुकेश कुमार।

अरुण गोविल अब बनेंगे राजा दशरथ



'रामायणम्' से सामने आया नया पोस्टर

अरुण गोविल का नाम सुनते ही आज भी दर्शकों के जेहन में भगवान राम की छवि सामने आ जाती है। टीवी पर राम का किरदार निभाकर उन्होंने ऐसा प्रभाव छोड़ा था, जिसे कई पीढ़ियां आज तक याद करती हैं। अब अरुण गोविल एक बार फिर रामायण की दुनिया का हिस्सा बनने जा रहे हैं, लेकिन इस बार उनका किरदार बिल्कुल अलग होगा।

राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे अरुण

नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायणम्' से अरुण गोविल का नया पोस्टर सामने आया है। इसमें एक्टर राजा दशरथ के शाही अवतार में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में वह भगवान राम के पिता और अयोध्या के राजा दशरथ की भूमिका निभाएंगे। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि एक समय अरुण गोविल ने पूरी पीढ़ी के लिए राम के किरदार को जीवंत किया था और अब वह अयोध्या के राजा के रूप में रामायण की दुनिया में लौट रहे हैं।

राम के बाद अब निभाएंगे उनके पिता का किरदार

अरुण गोविल के लिए यह भूमिका इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सालों पहले टीवी पर भगवान राम का किरदार निभाकर दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई थी। अब उसी रामायण की कहानी में वह भगवान राम के पिता दशरथ की भूमिका निभाते नजर आएंगे। पोस्टर में अरुण गोविल शाही पोशाक और राजसी अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके लुक में राजा दशरथ के रुतबे और गंभीरता को दिखाने की कोशिश की गई है। ऐसे में दर्शकों के लिए उन्हें राम के पिता के किरदार में देखना काफी दिलचस्प होने वाला है।

ऐसी है 'रामायणम्' की स्टारकास्ट

'रामायणम्' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी सीता के किरदार में नजर आएंगी। वहीं यश फिल्म में रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायणम्' को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। यह महागाथा दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को रिलीज किया जाएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगा। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। इसे दुनियाभर में IMA फॉर्मेट में भी रिलीज किया जाएगा।

किसी एक्टर, डायरेक्टर को डेट करो: सैयामी खेर

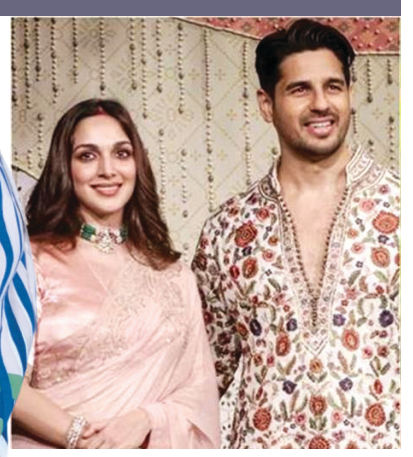


एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक पूरा करने के बाद सिनेमा में अपने सफर के बारे में बात की। शेयर किए गए एक खास बयान में, उन्होंने फिल्मों में अपनी जगह बनाने की कोशिश के दौरान मिली चुनौतियों और बिना मांगी सलाहों को याद किया। पीछे मुड़कर देखते हुए, सैयामी ने कहा कि वह नासिक की एक शांत और अंतमुर्खी लड़की थीं, जिन्हें सिनेमा की दुनिया का ज्यादा अनुभव नहीं था और खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही अक्सर उन्हें जज किया जाता था।

■ 'जाट' एक्ट्रेस को गंवार तक कहा गया और उन्हें बिना मांगी सलाहें मिलीं, जिनमें इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री के लिए किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट करने और कॉस्मेटिक प्रोसीजर (जैसे लिप जॉब) करवाने के सुझाव शामिल थे। शोबिज में 10 साल पूरे करने के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा कि पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखे हुए एक दशक हो गया है। यह दशक मेरी जिंदगी के कुछ सबसे अहम अनुभवों वाला रहा है। मैं नासिक की एक शांत, अंतमुर्खी और 20-22 साल की लड़की थी, जिसे फिल्मों का बहुत कम अनुभव था। मेरे शुरू करने से पहले ही मुझे खारिज कर दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि मुझसे कहा गया कि मैं 'गंवार' हूं, मुझमें वो बात नहीं है। मुझे ऐसी सलाहें दी गईं जैसे, 'किसी एक्टर/डायरेक्टर को डेट करो, यही अंदर आने का आसान तरीका है' और 'लिप जॉब करवा लो।' मेरी परवरिश और मेरे माता-पिता ने मुझे खुद पर इतना भरोसा दिया था कि जब बड़े लोग मुझसे ऐसी बातें करते थे, तो मुझे उसमें मजाक ही लगता था। मैं हर दिन ऐसे बहुत से लोगों से मिलती थी जो बिना मांगी सलाह देते थे और मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ता था।

■ उन्होंने आगे बताया कि एक सुबह अदूर मुखर्जी का फोन आया और उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। इस बार कुछ अलग था। दिलीप जी के अपनापन और नरमी से मुझे एहसास हुआ कि अच्छे लोग भी होते हैं। मैंने उनके और आदिल हुसैन के साथ तीन महीने वर्कशॉप की और उन तीन महीनों ने मुझे पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने मुझे खुद जैसा रहना, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी खोजना और यह भरोसा करना सिखाया कि मैं जैसी हूं, वैसी ही काफी हूं। छह महीने बाद, मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज़्या' के लिए चुन लिया गया। राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए सैयामी ने कहा कि राकेश सर वो सब कुछ थे जिनकी मुझे अनजाने में तलाश थी। वे एक बेहतरीन इंसान हैं और उनके साथ काम करना एक सपने जैसा था। उन्होंने और भरत मैम ने मुझे अपने बच्चे की तरह लाड़-प्यार किया। सर ने सेट पर मुझे बहुत लाड़-प्यार दिया। उन्होंने मुझे खुद जैसा रहने की आजादी दी, मुझे एक्टिंग से प्यार करना सिखाया और हर दिन जिंदगी के छोटे-छोटे सबक सिखाए। 'मिर्ज़्या' के सेट पर बिताया हर दिन ऐसा लगता था जैसे काश यह कभी खत्म न हो। मुझे ऐसी दोस्ती मिली जो 10 साल से कायम है।

सिद्धार्थ और कियारा फिर आने वाला है नन्हा मेहमान



बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर से खुशियां दस्तक देने वाली हैं। कपल ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी शेयर करते हुए बताया कि वे दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी तस्वीर के जरिए इस खास खबर का ऐलान किया। जैसे ही पोस्ट सामने आई, फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने भी कपल को जमकर बधाइयां देनी शुरू कर दीं।

सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर दी Good News

कपल ने मंगलवार, 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी खुशी और आभार जाहिर करते हुए यह खबर शेयर की। कियारा और सिद्धार्थ ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें वे एक-दूसरे का हाथ थामे हुए नजर आ रहे थे। साथ ही उन्होंने लिखा कि एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे से नवाजे गए हैं। हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हुए हैं। इस घोषणा के बाद फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों की ओर से बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। सिद्धार्थ के मेंटर और फिल्ममेकर करण जौहर ने सबसे पहले इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और लिखा कि लव लव यू, साथ ही कई रेड हार्ट इमोजी भी बनाए।

बेटी सराया के जन्म के डेढ़ साल बाद दी गुड न्यूज

कपल ने 2025 में अपने पहले बच्चे, बेटी साराया का स्वागत किया था। उनके दूसरी बार माता-पिता बनने की खबर, पहली बार माता-पिता बनने के कुछ महीनों बाद ही आई है। अब तीनों जल्द ही तीन से चार होने वाले हैं।

ईशान किशन ने तोड़ा विराट कोहली का 10 साल पुराना रेकॉर्ड

विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उनका भारत बनाम वेस्टइंडीज पहले टी20 मैच में भी बल्ला बोला। उन्होंने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 27 गेंदों में पांच चौकों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर (43 गेंदों में नाबाद 102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रनों की अटूट साझेदारी की और भारत को 8 विकेट से जीत दिलाई। 28 वर्षीय ईशान भले ही फिफ्टी पूरी नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने एक दमदार कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय

1644 - ईशान किशन (2026)
1614 - विराट कोहली (2016)
1602 - अभिषेक शर्मा (2025)
1503 - सूर्यकुमार यादव (2022)
1395 - अभिषेक शर्मा (2026)
1338 - सूर्यकुमार यादव (2023)

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** **RNI. NO. MAHHIN/2011/43060** **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप